दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 01 नवम्बर-2025 | ● वर्ष: 10 अंक: 313 पेज-09 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य: ₹3

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती

सरदार वल्लभभाई पटेल ने जोड़ा था भारत, आज उसी एकता और अखंडता की मिसाल बना गाजियाबाद : पंकज सिंह

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को गाज़ियाबाद राष्ट्रभक्ति और संगठन के रंग में रंग गया। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाज़ियाबाद के तत्वावधान में और महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में, माय भारत – युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित 'एकता यात्रा' ने शहर को एकता, अनुशासन और देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया।

मोहन नगर स्थित सरदार पटेल वाटिका से आरंभ हुई इस भव्य यात्रा में भारत माता की झांकी, सरदार पटेल, भगत सिंह और महात्मा गांधी की जीवंत झलकियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। एनसीसी, एनडीआरएफ, स्काउट, सिविल डिफेंस, धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं, स्कूलों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों और 'माय भारत' के युवा दलों की संगठित भागीदारी ने आयोजन को ऐतिहासिक रूप दिया। शहर में यात्रा के गुजरने के साथ देशभक्ति के नारों की गूंज सुनाई दी, और शहीद स्मारक (तोप चौक) तक पहुँची यह यात्रा गाज़ियाबाद के इतिहास में एकता का अद्भुत उदाहरण बन गई।

देश को जोड़ने की शक्ति आज भी सरदार पटेल से प्रेरित : पंकज सिंह

करंट क्राइम। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक पंकज सिंह ने कहा कि सरदार पटेल केवल लौह पुरुष नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा थे। उन्होंने जिस दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदृष्टि से देश की रियासतों को एक सूत्र में पिरोया, वही आज की एकता यात्रा की प्रेरणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसी भावना को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की सोच ही आज भारत को एक दिशा देती है।

एकता यात्रा संगठन की शक्ति और एकजुटता का प्रतीक : सुनील शर्मा

करंट क्राइम। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि गाज़ियाबाद की एकता यात्रा भाजपा संगठन की मजबूती और जनता की एकजुटता का प्रतीक है। यह केवल एक जुलूस नहीं, बल्कि संगठन की शक्ति और समाज के सामूहिक अनुशासन का प्रदर्शन है। हर नागरिक में एकता का संदेश पहुँचाना ही इस यात्रा का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

सरदार पटेल की विरासत आत्मनिर्भर भारत में जीवित : अतुल गर्ग

करंट क्राइम। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि सरदार पटेल की एकता की भावना आज आत्मनिर्भर भारत के रूप में जीवित है। उन्होंने जिस समरस भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की दिशा में आज भाजपा संगठनात्मक रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल आयोजन नहीं, बल्कि विचार की पुन:स्थापना है।

अखंडता की रक्षा हर नागरिक का धर्म : अजीत पाल त्यागी

करंट क्राइम। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि सरदार पटेल जी ने हमें सिखाया कि राष्ट्र की अखंडता के लिए हर नागरिक को अपने दायित्व का निर्वाह करना चाहिए। देश की मजबूती का आधार तभी बनेगा जब हर भारतीय अपने भीतर एकता का भाव जगाए। त्यागी ने कहा कि यह यात्रा उसी चेतना का प्रतीक है।

जनता की एकजुटता का प्रेरक उदाहरण : संजीव शर्मा

करंट क्राइम। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि गाज़ियाबाद की जनता ने इस यात्रा में जिस अनुशासन और समर्पण के साथ भाग लिया, वह प्रेरणादायक है। यह यात्रा बताती है कि जब समाज और संगठन एक विचार से जुड़ते हैं, तो एकता केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन का आधार बन जाती है।

महिलाओं और युवाओं की भागीदारी उल्लेखनीय : आशु वर्मा

करंट क्राइम। पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा कि इस यात्रा की सबसे बड़ी ताकत युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। महिलाओं की उपस्थिति ने यात्रा को संवेदनशील बनाया, और युवाओं ने इसे नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन आने वाली पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना को गहराई देगा।

युवा शक्ति और माय भारत ने दी आयोजन को राष्ट्रीय पहचान : मयंक गोयल

करंट क्राइम। कार्यक्रम में माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के उपनिदेशक देवेंद्र कुमार की उपस्थिति रही। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा — यह यात्रा सरदार पटेल जी के एकता संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है। हजारों नागरिकों की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि एक भारत – श्रेष्ठ भारत आज भी देश की आत्मा में धड़कता है। उन्होंने कहा कि माय भारत के सहयोग और युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी ने इस यात्रा को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। युवाओं में अनुशासन, सेवा और राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त करने की दिशा में यह आयोजन ऐतिहासिक कदम है। गोयल ने सभी सहयोगी संस्थाओं, शिक्षकों, छात्रों, प्रशासनिक इकाइयों और स्वयंसेवकों का आभार जताया।

मयंक गोयल के मार्गदर्शन में अनुशासित आयोजन : महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी समन्वय में सम्पूर्ण कार्यक्रम अनुशासित, शांतिपूर्ण और प्रभावशाली रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की सफलता का प्रथम श्रेय उन्हें दिया गया, जिन्होंने संगठन, संवाद और जनसंपर्क के हर स्तर पर मार्गदर्शन किया।

भाजपा सरदार पटेल के आदर्शों पर अग्रसर : सरदार एस.पी. सिंह

करंट क्राइम। पूर्व अध्यक्ष सरदार एस.पी. सिंह ने कहा कि भाजपा संगठन सरदार पटेल जी के राष्ट्रनिर्माण के सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने का कार्य कर रहा है। यह यात्रा ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्ल के विचार को जनमानस में स्थायी रूप से स्थापित करने का माध्यम है।

दिखा सचिन डेढ़ा का टीम वर्क

करंट क्राइम। कार्यक्रम के संयोजक सचिन डेढ़ा, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी और सह संयोजक नवनीत मित्तल ने आयोजन के संचालन और समन्वय में अहम भूमिका निभाई। संपूर्ण यात्रा की व्यवस्था, समय-निर्धारण और अनुशासन इनकी सक्रिय योजना और समर्पण से संभव हुआ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतियियों की उपस्थिति

करंट क्राइम। कार्यक्रम में पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बृजपाल तेवतिया, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, अमर दत्त शर्मा, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, राजेश्वर प्रसाद, सरदार भाटी, सुशील गौतम, गोपाल अग्रवाल, पप्पू पहलवान, बॉबी त्यागी, बी.एल. गौतम, संजीव झा, गुंजन शर्मा, प्रदीप चौहान, प्रहलाद दुआ, गौरव चोपड़ा, अभिषेक शर्मा, अनीता शर्मा और ऋचा भदौरिया सहित कई सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक हस्तियाँ मौजूद रहीं। सभी ने सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारत की एकता, अखंडता और समरसता की रक्षा का संकल्प लिया।

लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भव्य पदयात्रा, नगर निगम ने संभाली व्यवस्थाओं की कमान

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शहरभर में राष्ट्रभाव से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। मोहन नगर जोन अंतर्गत मोहन नगर से शहीद स्थल तक निकली भव्य पदयात्रा ने पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। पदयात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम टीम और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। शहर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए गाज़ियाबाद नगर निगम की पूरी टीम मुस्तैद रही। मोहन नगर से लेकर शहीद स्थल तक निर्धारित मार्ग पर सफाई, फॉगिंग, और जल छिड़काव की विशेष व्यवस्था की गई। पदयात्रा मार्ग पर नगर निगम कर्मचारियों ने सतत निगरानी रखी, ताकि यात्रा में शामिल प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

पार्क से शहीद स्थल तक सफाई और जल छिड़काव अभियान : सरदार पटेल पार्क की सफाई से लेकर शहीद स्थल तक मार्ग पर सफाई अभियान और जल छिड़काव किया गया। नगर निगम टीम ने यात्रा मार्ग को सजावटी फूलों से सुसज्जित किया और पेयजल की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की। नगर आयुक्त के निर्देश पर सभी विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

पदयात्रा में सांसद और विधायकों की सहभागिता: मोहन नगर से शहीद स्थल तक निकली पदयात्रा में सांसद, विधायक और पार्षदों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारत माता और सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। पदयात्रा में तिरंगा झंडा लिए युवा और बच्चों का जोश देखते ही बनता था। निर्धारित रूट और समयानुसार यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

नगर निगम की टीम ने निभाई जिम्मेदारी

करंट क्राइम। पूरे आयोजन के दौरान नगर निगम की टीम व्यवस्थाओं की निगरानी में सक्रिय रही। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, महाप्रबंधक (जल) कामाख्या प्रसाद आनंद सहित कई विभागीय अधिकारी स्थल पर मौजूद रहे। पदयात्रा की सफलता में सफाई कर्मियों, अभियंताओं और जोनल अधिकारियों की भूमिका सराहनीय रही।

सभी जोनों में आयोजित हुए कार्यक्रम

नगर आयुक्त ने बताया कि गाज़ियाबाद नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में सरदार पटेल जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रत्येक जोन में पार्कों की सफाई, पेयजल, सजावट और जनसुविधा संबंधी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं। सभी जोनल प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे।

सरदार पटेल जयंती पर 'सरदार @150 यूनिटी मार्च' का भव्य आयोजन

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को गाज़ियाबाद में 'सरदार @150 यूनिटी मार्च' का आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक पदयात्रा माय भारत – युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें हजारों युवाओं, स्वयंसेवकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

माय भारत गाज़ियाबाद के उपनिदेशक देवेंद्र कुमार ने बताया कि

इस पहल का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत करना, तथा देश में एकता और अखंडता के भाव को सुदृढ़ करना है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जनभागीदारी से राष्ट्र निर्माण' के विजन से प्रेरित है, जो नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान का संदेश देता है। इस आयोजन में 'माय भारत', राष्ट्रीय सेवा योजना, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, पुलिस लाइन, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठन, कॉलेजों और विद्यालयों के लगभग एक हजार युवाओं और स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संगठन और जनसमन्वय की दृष्टि से मयंक गोयल ने प्रमुख भूमिका निभाई, जबकि संचालन का दायित्व सचिन डेढ़ा और नवनीत मित्तल ने निभाया। स्वयंसेवक तालिब, अनूप, वैष्णवी और खुशी ने भी सक्रिय सहयोग दिया।

सरदार पटेल जयंती पर जिलाधिकारी ने मरीजों को फल वितरित किए, अस्पताल की व्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने शुक्रवार को संयुक्त अस्पताल, संजय नगर पहुंचकर

मरीजों को फल वितरित किए और अस्पताल की व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवा वितरण, सफाई और अन्य सेवाओं का जायजा लिया। मरीजों और तीमारदारों से बातचीत में कमियों की जानकारी मिलने पर डीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए।

एनडीए ने जारी किया घोषणापत्र

एक करोड़ महिलाओं को बनाएंगे लखपति दीदी

सात एक्सप्रेसवे बनाने का किया गया वादा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव (2025) को लेकर शुक्रवार (31 अक्टूबर, 2025) को एनडीए की ओर से साझा घोषणापत्र को जारी कर दिया गया। इस मेनिफेस्टो में बिहार की जनता से कई बड़े वादे किए गए हैं। पटना के गांधी मैदान स्थित होटल मौर्या में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घोषणापत्र के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और धर्मेंद्र प्रधान मौजूद रहे। इनके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, संजय कुमार झा और ललन सिंह भी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और चिराग पासवान के अलावा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी शामिल हुए। सबकी मौजूदगी में साझा घोषणापत्र को जारी किया गया।

घोषणापत्र के बारे में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि एक करोड़ से अधिक सरकारी नौकरी और रोजगार प्रदान किया जाएगा। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर से बिहार को ग्लोबल स्किलिंग सेंटर के रूप में स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से महिलाओं को दो लाख तक की सहायता राशि सरकार देगी। एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का काम किया जाएगा। मिशन करोड़पति भी हम शुरू करेंगे।

घोषणापत्र में बताया गया है कि अतिपिछड़ा वर्ग के विभिन्न व्यावसायिक समूहों को 10 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के जज की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा जो अतिपिछड़ा वर्ग की विभिन्न जातियों के सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन करके इन जातियों के सशक्तिकरण के लिए न्यायोचित कदम उठाने के लिए सरकार को सुझाव देगी।

कपूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि की शुरूआत होगी। इसके जरिए किसानों को प्रति वर्ष 9000 का लाभ दिया जाएगा। एग्री-इंफ्रास्ट्रक्चर में एक लाख करोड़ का निवेश होगा। पंचायत स्तर पर सभी प्रमुख फसलों को एमएसपी पर खरीद सकेंगे।

घोषणापत्र में जिक्र है कि बिहार गति शक्ति मास्टर प्लान को प्रस्तुत किया जाएगा। सात एक्सप्रेसवे बनाए जाएंगे। 3600 किलोमीटर रेल ट्रैक का आधुनिकीकरण किया जाएगा। अमृत भारत एक्सप्रेस व नमो रैपिड रेल सेवा का विस्तार होगा। 4 नए शहरों में मेट्रो शुरू होगी।

न्यू पटना में ग्रीनफील्ड शहर, प्रमुख शहरों में सैटेलाइट टाउनशिप होगी। मां जानकी की जन्मस्थली को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक नगरी 'सीतारामपुर' के रूप में विकसित किया जाएगा। दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट होगा। 10 नए शहरों से घरेलू उड़ानें शुरू होंगी। हर जिले में अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट व 10 नए औद्योगिक पार्क विकसित होंगे। इसके साथ ही कई और घोषणाएं की गई हैं।

28 को महागठबंधन ने जारी किया था घोषणापत्र : महागठबंधन की ओर से बीते 28 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी किया गया था। महागठबंधन के साझा मेनिफेस्टो को 'तेजस्वी प्रण' नाम दिया गया है। विपक्ष के इस घोषणापत्र में पुरानी पेंशन योजना लागू करने, हर घर एक सरकारी नौकरी के लिए सरकार बनने के 20 दिन के भीतर अधिनियम बनाने जैसे कई बड़े वादे किए गए हैं।

दौड़ेगा इंडिया, तभी तो बढ़ेगा इंडिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'रन फॉर यूनिटी' को दिखाई झंडी

बोले- राष्ट्र की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में ह्यभारत रत्नह्ल सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित ह्यरन फॉर यूनिटीह्ल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन, समर्पण और त्याग आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। आइए, इस राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम संकल्प लें कि जाति, भाषा, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से ही देश में उन महान सपूतों को सम्मान देने की परंपरा शुरू हुई है, जिन्होंने भारत को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि आज पूरे देश में 600 से अधिक स्थानों पर ह्यरन फॉर यूनिटीह्ल के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को प्रबल करने का यह अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में कहा गया है किह्लशिवो भूत्वा शिवं यजेतह्ल, अर्थात जिसे हम पूजते हैं, उसके अनुरूप हमें स्वयं को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल भाषणों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी एकता और अखंडता के मूल्यों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवड़िया (गुजरात) में ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्ल के रूप में सरदार पटेल की स्मृति को जीवंत बनाया गया है, जो आज राष्ट्रीय प्रेरणास्थली बन चुकी है।

563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का किया निर्माण : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश साजिशों को नाकाम करते हुए 563 रियासतों को भारत गणराज्य में शामिल कर अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जब हैदराबाद और जूनागढ़ की रियासतों ने भारत में विलय से इनकार किया, तब लौह पुरुष ने पहले संवाद का रास्ता अपनाया, लेकिन जब राष्ट्र की अखंडता पर संकट आया, तब उन्होंने कठोर निर्णय लेकर भारत की एकता को सुरक्षित किया। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत की अखंडता के साथ कोई खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर अखंड भारत के उस संकल्प को साकार किया, जो सरदार पटेल ने देखा था। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

उत्तर प्रदेश से केवड़िया जाएगा सांस्कृतिक दल : मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल महोदया के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल और ह्यस्वदेशी अभियानह्ल को मजबूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है।

'गन्ना मूल्य का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छपवाया...', अखिलेश का तंज- कितने किसान इसे पढ़ पाएंगे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेसवार्ता कर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने पर सरदार पटेल के नाम पर विश्वविद्यालय बनवाएंगे। गन्ना मूल्य पर कहा कि गन्ना मूल्य में 30 रुपये से ज्यादा की वृद्धि होनी चाहिए थी। दाम में कम से कम इतनी बढ़ोतरी करें जिसमें किसान खुशहाल हो।

सपा मुखिया ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने गन्ना मूल्य और भुगतान करने का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छापा। बताओ कितने किसान अंग्रेजी में यह जानकारी पढ़ पाएंगे। बहराइच की गन्ना मिल बंद हो गई। जिम्मेदार किसानों का करोड़ों रुपया लेकर भाग गए। ये सब सरकार के पोषित लोग हैं। अब सरकार मंडियां बेचना चाहती है।

दूसरे चरण को लेकर अखिलेश ने कहा कि हमारी मांग है कि इतनी बड़ी प्रक्रिया में जाति पर एक अतिरिक्त कॉलम शामिल किया जाए। इससे जाति जनगणना कराने, बेहतर नीति निर्माण और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। मुझे उम्मीद है कि सरकार हमारे सुझाव पर विचार करेगी और उसे लागू करेगी।

कानपुर के अखिलेश दुबे की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जितना भ्रष्टाचार इस सरकार में हो रहा है, उतना कभी नहीं हुआ। विकास दुबे की गाड़ी इसलिए पलटाई गई थी, कि कहीं सरकार न पलट जाए। अब अखिलेश दुबे को बचाया जा रहा है। जितना भ्रष्टाचार इस सरकार में है, उतना किसी सरकार में नहीं रहा। विश्वविद्यालय में किसे कुलपति बनाया जा रहा है, सभी को पता है।

भाजपा सरकार में इलाज कराना भगवान भरोसे : सपा मुखिया ने कहा कि सबसे अधिक असुरक्षित महिलाएं व बेटियां भाजपा सरकार में हैं। इस सरकार में दलित, पिछड़े मारे जा रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई बहुत काम नहीं हुआ। एंबुलेंस हम लोगों ने चलवाई थीं। सरकार आने पर इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। आज जब भाजपा के बड़े नेताओं को इलाज कराना होता है तो सपा सरकार में बनवाए गए मेदांता में इलाज कराने जाते हैं। इस सरकार में इलाज कराना भगवान भरोसे है।

अखिलेश ने आगे कहा कि भाजपा की मूल पार्टी आरएसएस है। सरदार पटेल ने संघ पर बैन लगाया था। शर्तों पर संघ से बैन खत्म हुआ था। भाजपा हमें दूसरी चीजों में उलझाए है। अमेरिका और चीन के लिए बाजार बेचे डाल रहे हैं। कोई स्पेन बना रहा है तो कोई क्योटो। भाजपा नकारात्मकता फैला रही है। मेरठ में जो दुकानें गिराई जा रही हैं, उसका आदेश सपा सरकार में भी था। लेकिन, हमने नहीं गिराईं। भाजपा गिरा रही है।

मुख्यमंत्री को नाम बदलने का पुराना शौक : उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को नाम बदलने का पुराना शौक है।

पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म

सातवीं कक्षा का छात्र गिरफ्तार

मुरादाबाद। कटघर थानाक्षेत्र में बुधवार की शाम साढ़े छह बजे पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले 12 वर्षीय आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। 100 से ज्यादा कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंची। आरोपी कक्षा सात का छात्र है और बच्ची के पड़ोस में ही ट्यूशन पढ़ता है।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कटघर क्षेत्र के एक मोहल्ला में बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे फर्मकर्मी की पांच साल की बेटी घर के बाहर खेल रही थी जबकि मां-बाप और परिवार के अन्य लोग घर में मौजूद थे। इसी दौरान बच्ची अचानक लापता हो गई।

कुछ देर बाद करीब 100 मीटर की दूरी पर निमार्णाधीन मकान में बच्ची लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद आस पड़ोस के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

करीब 100 कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पता चला कि करीब 12 साल का बच्चा निमार्णाधीन मकान की ओर से आता दिखाई दे रहा है। पुलिस ने बच्चे के बारे में पता किया तो वह फल का ठेला लगाने वाले व्यक्ति का बेटा है और कक्षा सात में पढ़ रहा है।

एसआईआर के एलान के बाद बंगाल के मतुआ समुदाय में डर का माहौल, भाजपा और टीएमसी की बढ़ी चिंता

कोलकाता। हाल ही में चुनाव आयोग ने देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कराने का एलान किया है। चुनाव आयोग के इस एलान के साथ ही पश्चिम बंगाल के मतुआ समुदाय में डर, नाराजगी और चिंता का माहौल है। मतुआ समुदाय को विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) के तहत बड़े पैमाने पर वोट देने का अधिकार छिन जाने का डर सता रहा है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस, दोनों ही पार्टियों का मतुआ समुदाय में जनाधार है, ऐसे में दोनों पार्टियों को अपने वोटबैंक की नाराजगी की चिंता सता रही है।

राज्य की 40 विधानसभा सीटों पर मतुआ समुदाय का प्रभाव : मतुआ समुदाय एक हिंदू शरणार्थी समुदाय है और इस समुदाय के लोग उत्तर 24 परगना, नादिया और दक्षिण 24 परगना के कुछ हिस्सों में रहते हैं और बंगाल की 40 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर इनका प्रभाव है। चुनाव आयोग ने साल 2002 के बाद पहली बार फर्जी, मृत और अयोग्य वोटरों को हटाने के लिए एसआईआर कराने का फैसला किया है। ऐसे में जो लोग 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें अब अपनी योग्यता साबित करने के लिए दस्तावेज देने होंगे।

राजनेताओं के बयानों से बढ़ा असमंजस : मतुआ समुदाय के हजारों लोग दशकों से बांग्लादेश से बिना दस्तावेजों के पलायन कर भारत में बसे हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सबसे प्रमुख मतुआ नेता बनगांव सांसद शांतनु ठाकुर ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा, 'अगर शरणार्थी मतुआ लोगों के नाम हटा दिए जाते हैं तो चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्हें भारतीय नागरिकता मिलेगी।' हालांकि उनके बयान के बावजूद मतुआ लोगों की नाराजगी शांत नहीं हुई है। वहीं मतुआ के प्रथम परिवार की नेता और शांतनु ठाकुर की चाची टीएमसी की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर ने समुदाय के नेताओं की ठाकुरनगर में बैठक बुलाई है। इस बैठक में अगले कदम पर चर्चा की जाएगी।

टीएमसी सांसद ने कहा कि 2002 के बाद आने वाले लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं, जिससे उनके वोट देने का अधिकार छिन सकता है। भाजपा के नागरिकता देने वाले जुमले के बाद से समुदाय के लोग हमें वोट दे रहे हैं। भाजपा विधायक सुब्रत ठाकर ने कहा कि 'जो लोग 2002 से 2025 के बीच भारत आए हैं, उन्हें दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि अगर वे सीएए के तहत आवेदन करेंगे तो हम उनके नाम रखने की अपील कर सकते हैं लेकिन चुनाव आयोग स्वायत्त निकाय है और उनके नाम रखे जाएंगे या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है।'

दिल्ली में गैंगवार: हाशिम बाबा गैंग के मिस्बाह की सरेआम हत्या

सीलमपुर इलाके में गुरुवार रात को हुई गैंगवार से पूरे क्षेत्र में सनसनी

नई दिल्ली। दिल्ली के सीलमपुर इलाके में गुरुवार रात को हुई गैंगवार ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। अज्ञात बदमाशों ने मिस्बाह नामक युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मिस्बाह को करीब 15 से ज्यादा गोलियां मारी गईं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने गोलीबारी की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने करीब 20 खाली खोखे बरामद किए हैं। शुरूआती जांच में यह मामला गैंगवार से जुड़ा बताया जा रहा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक मिस्बाह हाशिम बाबा गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हमले के पीछे कौन-सी विरोधी गैंग शामिल थी।

फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

ताकत है हौसले में इंसान से भी ज्यादा...

कैंसर से जीत गया आठ साल का बच्चा

स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से मिली नई जिंदगी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक 8 साल के बच्चे ने मेडास्टिनल मैस नामक खतरनाक कैंसर से जंग जीत ली है। यह बच्चा इविंग सार कोमा नामक दुर्लभ और गंभीर बीमारी से पीड़ित था, लेकिन सही इलाज से उसे नई जिंदगी मिली है।

दिल्ली में मेडास्टिनल मैस से पीड़ित आठ साल के बच्चे का कीमोथेरेपी-रेडियोथेरेपी के बाद स्टेम सेल ट्रांसप्लांट से सफल इलाज हुआ, जिससे वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया। बच्चे ने खतरनाक कैंसर से जंग जीती है।

बच्चे का इलाज शुरू में कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी से किया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने स्टेम सेल ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया अपनाई, जो इस बीमारी के लिए एक जटिल लेकिन कारगर इलाज है।

ट्रांसप्लांट के बाद बच्चे की हालत में धीरे-धीरे सुधार हुआ और मौजूदा समय में वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया है। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर इलाज और सही देखभाल ने इस चमत्कार को संभव बनाया। बच्चे के माता-पिता ने बताया कि यह उनके लिए नई जिंदगी का तोहफा है, वह अपने बच्चे को स्वस्थ देखकर बहुत खुश हैं।

सांसों में जहर : बच्चों के फेफड़ों में मिली प्रदूषण की काली परत, सीएसई की रिपोर्ट में कई अन्य खतरे भी उजागर

नई दिल्ली। सुबह खेलते बच्चों की जगह मास्क पहने, खांसते, हांफते छोटे चेहरे दिखाई दें तो यह केवल मौसम का बदलना नहीं, बल्कि भविष्य का डर है। भारत में वायु प्रदूषण अब अदृश्य खतरा नहीं रहा। यह बच्चों के फेफड़ों में काले धब्बों के रूप में दिखाई दे रहा है। वैज्ञानिक और डॉक्टर स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि धूम्रपान न करने वाले बच्चों के फेफड़ों तक में काला जमाव पाया जा रहा है, जो धीरे-धीरे सांसों को खत्म कर सकता है।

देश की पूरी 1.4 अरब आबादी ऐसी हवा में सांस ले रही है, जिसमें पीएम 2.5 स्तर डब्ल्यूएचओ के मानकों से अधिक है। उत्तर भारत में रहने वाले लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा में 7.6 वर्ष तक की कमी का अनुमान है। लखनऊ जैसे शहरों में यह नुकसान 9.5 वर्ष तक पहुंच सकता है और यह भार सबसे ज्यादा बच्चों पर पड़ रहा है।

सीएसई की रिपोर्ट सांसों का आपातकाल बताती है कि देश की 63% आबादी राष्ट्रीय मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक प्रदूषण झेल रही है। इंडो-गैंगेटिक क्षेत्र बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की करीब 40% आबादी औसतन 7.6 वर्ष की जीवन अवधि खो रही है। 1998 से 2023 के बीच भारत में पीएम 2.5 स्तर में 61.4% की वृद्धि हुई है। वैश्विक प्रदूषण वृद्धि में 44% योगदान अकेले भारत का है।

कानूनी रूप से स्वीकारा गया प्रदूषण जनित मौत का मामला : लंदन की 9 वर्ष की बच्ची एला किस्सी डेब्राह की 2013 में अस्थमा से मौत हुई थी। 2020 में अदालत ने पहली बार आधिकारिक रूप से कहा कि उसकी मौत का कारण वायु प्रदूषण था। यह दुनिया का पहला मामला है जिसने प्रदूषण को मृत्यु का प्रत्यक्ष कारण माना। भारत की पर्यावरण स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. कल्पना बालाकृष्णन कहती हैं, प्रमाण की अनुपस्थिति, अनुपस्थिति का प्रमाण नहीं होती।

विशेषज्ञों की सलाह- बच्चों को घर के अंदर रखें : विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक प्रदूषण वाले दिनों में बच्चों को घर के अंदर रखें। सुबह-शाम बाहर खेलने से बचाएं। इस समय प्रदूषण अधिक होता है। बच्चों को बाहरी गतिविधियों में मास्क एन-95 या समतुल्य पहनाएं। घर में एयर प्यूरीफायर का उपयोग संभव हो तो करें। पोषण पर ध्यान दें। विटामिन सी, ओमेगा थ्री और एंटीऑक्सीडेंट फेफड़ों की रक्षा में मदद करते हैं। स्कूलों में क्लीन एयर प्रोटोकॉल लागू हों।

दिल्ली और केंद्रीय अस्पताल हर सर्दी में विशेष निगरानी, प्रदूषण-ओपीडी और आपात तैयारियां कर रहे हैं। लेकिन डॉक्टर मानते हैं कि यह अब मौसमी संकट नहीं, साल भर का स्वास्थ्य आपातकाल बन चुका है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। शनिवार 01 नवम्बर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

एआई आपके जीने, सोचने और युद्ध लड़ने के तरीके को बदल देगा : अजीत डोभाल

हैदराबाद। युद्ध अब राजनीतिक और सैन्य उद्देश्यों को हासिल करने का कारगर जरिया नहीं रहा क्योंकि यह न सिर्फ महंगा है बल्कि इसके परिणाम भी अनिश्चित है। अब जंग का नया मोर्चा सिविल सोसाइटी को चंगुल में लेकर किसी देश के राष्ट्रीय हितों को चोट पहुंचाना है। यह फोर्थ जेनरेशन वॉरफेयर है। ट्रेनी आईपीएस अधिकारियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इस नए तरह के खतरे को लेकर आगाह करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने यह बात कही।

सरदार वल्लभ भाई पटेल नेशनल पुलिस अकैडमी, हैदराबाद में शुक्रवार को 2020 बैच के दीक्षांत परेड में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डोभाल ने कहा कि सिविल सोसाइटी चौथी पीढ़ी के युद्ध का औजार है। आईपीएस अधिकारियों को देखना होगा कि इसके जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा पैदा न हो।

'चौथी पीढ़ी के युद्ध का औजार है सिविल सोसाइटी' : अजीत डोभाल ने कहा, 'अब युद्ध राजनीतिक या सैन्य उद्देश्यों को हासिल करने का कारगर जरिया नहीं रहा। ये बहुत महंगे और वहन करने लायक नहीं हैं। इसके नतीजों में भी अनिश्चितता होती है। राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए सिविल सोसाइटी से छेड़छाड़ हो सकती है, इसमें विभाजन पैदा किया सकता है और इसमें सेंध लगाकर अपने चंगुल में लिया जा सकता है। आप इसीलिए हैं कि यह धरती पूरी तरह सुरक्षित रहे।...लोग सबसे महत्वपूर्ण हैं। जंग का नया मोर्चा जिसे फोर्थ जेनरेशन वारफेयर कहते हैं, वह है सिविल सोसाइटी।'

जनता को राहत : महापौर सुनीता दयाल ने गृहकर में 20% छूट की अवधि बढ़ाई

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम ने शहरवासियों को बड़ी राहत देते हुए संपत्ति कर पर दी जा रही 20 प्रतिशत की छूट की अवधि बढ़ा दी है। महापौर सुनीता दयाल ने जनहित को देखते हुए यह निर्णय लिया कि अब करदाता 30 नवंबर 2025 तक यह छूट प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार यह छूट 31 अक्टूबर 2025 तक मान्य थी, लेकिन नागरिकों की सुविधा और अधिक से अधिक लोगों को लाभ देने के उद्देश्य से इसे एक माह के लिए बढ़ाया गया है। महापौर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने भवनों का निर्धारित संपत्ति कर समय से नगर निगम कोष में जमा करें और इस छूट का लाभ उठाएँ। उन्होंने कहा कि कर राजस्व से ही नगर निगम शहर में विकास कार्यों, सफाई, सड़क, जल निकासी और जनसुविधाओं को गति देता है।

एमएलसी वाले चुनावी ट्रैक पर बहुत सुस्त रफ्तार से चल रहा है हाथी

ना रणनीति दिखाई दे रही है और ना दिख रहा है कहीं भी समीकरण ऑफ जाति

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। एमएलसी (शिक्षक और स्नातक क्षेत्र) चुनाव का बिगुल बज चुका है। राज्य के ज्यादातर जिलों में भाजपा ने अपने संयोजक तय कर दिए हैं,बैठकें हो रही हैं और नये वोटर बनवाने का अभियान तेज है। लेकिन दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की ओर से अब तक कोई हलचल नहीं दिख रही। गाज़ियाबाद समेत वेस्ट यूपी के ज़िलों में न तो वोटर लिस्ट को लेकर चर्चा शुरू हुई है, न बैठकें हो रही हैं और न ही यह तय है कि पार्टी इस चुनाव में किस नाम पर भरोसा जताएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बसपा का संगठन अभी तक एमएलसी रण को लेकर एकमत नहीं है। कैडर में यह स्पष्टता नहीं है कि कौन क्षेत्र संभालेगा, किस वर्ग पर फोकस किया जाएगा और कौन टिकट की दौड़ में है। पार्टी के पुराने कार्यकर्ता मानते हैं कि जब तक स्थानीय स्तर पर वोट बनवाने की प्रक्रिया शुरू नहीं होगी, तब तक बसपा इस चुनावी मैदान में केवल दर्शक बनी रहेगी।

कभी निर्णायक थी बसपा, अब असमंजस में है संगठन

करंट क्राइम। वेस्ट यूपी की राजनीति में बसपा का डीएम समीकरण (दलित-मुस्लिम) कभी उसकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। इसी समीकरण के बूते वह विधानसभा और एमएलसी चुनावों में अक्सर बैलेंसिंग फैक्टर बन जाती थी। मगर इस बार तस्वीर उलटी है। पार्टी का वह पुराना कैडर, जो एक कॉल पर जुट जाया करता था, अब या तो निष्क्रिय है या हतोत्साहित। वेस्ट यूपी के प्रभारी शमसुद्दीन राईन को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है, जिले के अध्यक्ष नरेंद्र मोहित को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। नेतृत्व की यह निरंतर उथल-पुथल ही पार्टी की जड़ों को कमजोर कर रही है।

रणनीति का अभाव, चेहरों की कमी

करंट क्राइम। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि एमएलसी चुनाव में बसपा की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि उसके पास कोई स्थानीय चेहरा नहीं बचा है। जो पार्टी कभी कैडर-ड्रिवन सिस्टम पर चलती थी, वह अब चेहरों की कमी और दिशा के अभाव से जूझ रही है। अंदरूनी सूत्र बताते हैं कि अब तक न उम्मीदवार का संकेत मिला है, न अभियान की रूपरेखा बनी है। जिस समय भाजपा बूथवार समीक्षाएं कर रही है, बसपा के पदाधिकारी अभी यह तय नहीं कर पाए हैं कि किस वर्ग पर फोकस किया जाएगा।

क्या एमएलसी में फिर 'इम्पोर्ट' उम्मीदवार उतारेगी बसपा?

करंट क्राइम। एमएलसी चुनावों में बसपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है — क्या वह इस बार भी किसी बाहरी उम्मीदवार पर दांव लगाएगी? पिछले कई चुनावों में पार्टी ने यह प्रयोग किया, जहाँ भाजपा या अन्य दलों से असंतुष्ट नेता बसपा के टिकट पर मैदान में उतरे। कभी शुक्ला जी, कभी पुण्डीर जी, तो कभी गर्ग जी — ये सभी इम्पोर्ट चेहरे बसपा की साख को स्थायी आधार नहीं दे पाए। पार्टी का मूल वोट बैंक ऐसे प्रयोगों से धीरे-धीरे दूरी बना चुका है।

क्या नीला हाथी रण में उतरेगा?

करंट क्राइम। एमएलसी चुनाव के इस चरण में जब हर दल रणनीति तय कर चुका है, बसपा की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है। क्या पार्टी अपने संगठन को पुनर्गठित कर अंतिम दौर में मैदान में उतरेगी या यह चुनाव उसके लिए केवल औपचारिक उपस्थिति भर रहेगा? फिलहाल बसपा की रणनीति पर रहस्य बना हुआ है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि अगर पार्टी ने वोटर लिस्ट और बूथ कमेटियों पर समय रहते काम नहीं किया, तो उसका प्रदर्शन इस बार सिम्बॉलिक उपस्थिति से आगे नहीं जा पाएगा।

पार्षद शीतल चौधरी प्रकरण में फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

फॉलोअप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा पार्षद शीतल चौधरी के गोली कांड प्रकरण में पुलिस जांच में जुटी है। इस मामले में तीसरे दिन भी फोरेंसिक रिपोर्ट नहीं आई है। पुलिस इस पूरे मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ प्राप्त नहीं हुआ है। अब केवल पुलिस को फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं इस मामले में भाजपा में एक नई चर्चा कार्यकर्ता के लिए बड़े नेताओं के रेस्पांस की हो रही है। एक चर्चा पार्षदों के बीच है कि शीतल चौधरी भी पार्षद परिवार का सदस्य हैं और निगम परिवार की मुखिया को को इस मामले में रेस्पांस लेना चाहिए था। वहीं कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि क्षेत्रीय अध्यक्ष आयेंगे लेकिन तीन दिन बाद भी उनका आगमन नहीं हुआ है। केवल मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी जरूर शीतल चौधरी के आवास पर पहुंचे। वो घटना की सूचना मिलते ही मधुबन बापूधाम थाने में भी पहुंचे थे। चर्चा यही हो रही है कि पार्षद के साथ-साथ शीतल चौधरी कार्यकर्ता भी हैं और महिला कार्यकर्ता पर अगर गोली चली है तो बड़े नेताओं को इसका संज्ञान लेना चाहिए।

एक्स मंडल वाले आखिर क्यों कर रहे हैं रूठे हुए देवतुल्यों को मनाने वाले कार्यक्रम का आगाज

सुना है खोला गया है अलग से इस काम के लिए दफ्तर और मंत्री जी करेंगे उद्घाटन

उदयवीर सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कहानी सियासत के पैंतरों से उलझी है और सरकार वाले दल के नेताओं का यही समझ नहीं आ रहा है कि कौन सा तार किससे जुड़ा है। बड़ी विधानसभा में मौहल्ले वालों की एक्टिविटी बढ़ गयी है। रोचक पहलू ये है कि एक्स वाले मंडल प्रधान चाहते हैं कि जो भी देवतुल्य रूठे हुए हैं उन्हें मनाकर फिर से मुख्य धारा में जोड़ा जाये। मौजूदा मंडल प्रधान की चिंता ये है कि जब मंडल में केसरिया दफ्तर पहले ही खुला हुआ है तो फिर अलग से दफ्तर खोलने की जरूरत क्या है। मामला चर्चा में आ रहा है।

नदियापार में इसे शक्ति दिखाने का एक खंड भी माना जा रहा है और इसे 2027 की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहाहै। यहां रहने वाले ब्राह्मण नेता अब मंडल में पूर्व हो चुके हैं लेकिन वो अभूतपूर्व तरीके से ये चाहते हैं कि जो कार्यकर्ता किसी भी कारण से स्टे होम कर रहे हैं, या जो कार्यकर्ता आयामों में आने के बजाये वर्क फ्रोम होम कर रहे हैं उन्हें फिर से जोड़ा जाये। वो सब भाजपा के कार्यक्रमों में नजर आयें। भाजपा के ब्राह्मण चेहरे ने इसकी शुरूआत की है और उन्होंने अपने प्रयासों से भाजपा कार्यालय खोलने की पूरी तैयारी कर ली है। वैसे तो इस केन्द्र का नाम रूठना-मनाना केन्द्र होना चाहिए था लेकिन इस दफ्तर का नाम भाजपा सशक्तिकरण केन्द्र रखा गया है।

तर्क ये भी आ गया है कि हम सब भाजपा के सिपाही हैं और जो भी कार्यकर्ता किसी भी कारण से नाराज है उसे हम मनायेंगे। कार्यकर्ता के घर जायेंगे। सशक्तिकरण केन्द्र पर बुलायेंगे। सूत्र बताते हैं कि ये पूरा ताना बाना विधानसभा को फोकस में रखकर बुना गया है। जब विधानसभा चुनाव में दावेदारी की टंकार होगी तो ये कार्यकर्ता फौज एक ऐसी हुंकार भरेगी जिसमें तीसरी बार भी उन्हीं को यहीं से विधायक का चुनाव लड़ाने की बाता होगी।

मंडल अध्यक्ष पहले ही उनकी टीम के हैं और अब बूथ गली मौहल्ले में नेटवर्क की मजबूती का पैगाम देने की तैयारी होरहीहै। इसका होर्डिंग भी लग गया है जिसमें एक तरफ कैबिनेट मंत्री का फोटो है और दूसरी तरफ महानगर अध्यक्ष का फोटो है। फोटो बताते हैं कि 5 नवम्बर को मंत्री जी ही इस सशक्तिकरण केन्द्र का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन का संदेश मजबूती से दिया जायेगा। यहां हवन भी होगा और भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा। सशक्तिकरण केन्द्र की लोकेशन शक्ति वाले खण्ड की आ रही है।

मंडल अध्यक्ष का तर्क हमारे दफ्तर से ही हो सकता है भाजपा का वर्क

करंट क्राइम। शुक्ला जी का कहना है कि हम तो रूठों को मनायेंगे और उन्हें भाजपा में लायेंगे। उन्होंने दफ्तर की तैयारी कर ली और हवन महूर्त का समय तय कर लिया। अध्यक्ष की सहमति है और इस नये डेस्टिनेशन की लोकेशन को लेकर मौजूदा मंडल अध्यक्ष टेंशन में हैं। वो संगठन और जनप्रतिनिधि दोनों ही फॉरमेट में काम कर चुकी हैं, वो पार्षद भी रही हैं और मंडल अध्यक्ष भी हैं। उनका तर्क ये है कि जब एक ही क्षेत्र में पहले से कार्यालय खुला हुआ है तो फिर दूसरे कार्यालय की जरूरत क्या है। वो ये तर्क दे रही हैं कि भाजपा का काम करना है और मेरा दफ्तर भी भाजपा का है। लिहाजा दूसरे दफ्तर की कोई जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि एक ही दफ्तर से काम हो सकता है और उनका ये भी मानना है कि जब एक लोकेशन पर पहले ही भाजपा का कार्यालय है तो उसी लोकेशन पर दूसरा कार्यालय खोलना ठीक नहीं है।

डॉ. अनिल अग्रवाल के जन्मदिन ने गाजियाबाद की सियासत में जोड़ी नई हलचल, सक्रियता के बढ़ते संकेत

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल का जन्मदिन इस बार सिर्फ.शुभकामनाओं तक सीमित नहीं रहा यह गाज़ियाबाद की राजनीति में नई चर्चा और बढ़ती सक्रियता का संकेत बन गया।31 अक्तूबर को कवि नगर स्थित उनके आवास पर दिनभरलोगों की लगातार आवाजाही रही।व्यापारी , शिक्षक, समाजसेवी, उद्योगपति, युवा और राजनीतिक वर्गों से जुड़े लोगबड़ी संख्या में पहुँचे और डॉ. अग्रवाल को शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम में भीड़ भले संयमित थी, पर उसका असर शक्ति प्रदर्शन जैसा ही महसूस हुआ।डॉ. अग्रवाल ने दिन की शुरूआत सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में पूजा-अर्चना से की

और फिर अपने आवास पर कंबल वितरण कर जन्मदिन को सेवा और समाज के प्रति संवेदनशीलता के रूप में मनाया।यह सादगी भरा आयोजन खुद में एक राजनीतिक संदेश लेकर आया कि वह जनता और कार्यकताओं से सीधा संवाद बनाए रखने के पुराने ढंग में आज भी यकीन रखते हैं।राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह सक्रियता अचानक नहीं है।कुछ ही दिन पहले डॉ. अग्रवाल ने एमएलसी (शिक्षक और स्नातक क्षेत्र) चुनाव को लेकरएक बड़ी बैठक आयोजित की थी,जिसमें कई जिलों के प्रमुख संगठन प्रतिनिधि और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े चेहरे शामिल हुए थे।उस बैठक ने पार्टी के अंदर और बाहर नई हलचल और अटकलें दोनों को जन्म दिया था।अब उनका यह जन्मदिन समारोह उसी निरंतरता का हिस्सा माना जा रहा है जहाँ सामाजिक जुड़ाव के बीच राजनीतिक संकेत साफ नजर आ रहे हैं।डॉ. अग्रवाल की छवि हमेशा से एक संयमित, सधे हुए और संगठन के गहरे जानकार नेता की रही है।वह कार्यकताओं से सीधे संवाद और सहज व्यवहार के लिए जाने जाते हैं।

यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर किसी औपचारिक मंच की आवश्यकता नहीं पड़ी,फिर भी वातावरण में उत्साह और उम्मीद का मिश्रण साफ दिखा।लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान उनका नामगाज़ियाबाद और मेरठ दोनों सीटों से संभावित दावेदारों में चर्चा में रहा था।

अब जब राज्य में एमएलसी चुनाव का माहौल बन रहा है और धीरे-धीरे 2027 विधानसभा की रणनीतियों पर भी संगठन स्तर पर विचार शुरू हैं,तो डॉ. अग्रवाल की यह बढ़ती सक्रियता एक बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखी जा रही है।यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि वह किस चुनाव या भूमिका की तैयारी में हैं,लेकिन यह निश्चित है कि डॉ. अनिल अग्रवाल अब गाज़ियाबाद की राजनीति में फिर से केंद्र में आ चुके हैं. जरूर किसी बड़ी राजनीतिक योजना पर काम कर रहे है .उनका यह जन्मदिन आयोजन सेवा का बहाना होकर भीसंगठन की नब्ज टटोलने और समर्थन की ताकत दिखाने का मौका साबित हुआ। जिस शिद्दत से उन्होंने अपनी दावेदार का मजबूत फूल लोकसभा चुनाव में खिलाया था. देखना अब ये है कोई राजकुंवर इस बार तो उनकी मेहनत के पराग को ले तो नहीं जा पाएगा. फि लहाल उनकी तैयारियों को देखकर तो ऐसा प्रतीत नहीं हो है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी'

कमिश्नरेट गाज़ियाबाद में देशभक्ति और अनुशासन का संगम

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को कमिश्नरेट गाज़ियाबाद पुलिस ने एकता, अनुशासन और देशभक्ति की अद्भुत मिसाल पेश की। शहर से लेकर थाना स्तर तक हर जगह 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहाँ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने दौड़ लगाई, सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को सशक्त बनाए रखने की शपथ ली।

कार्यक्रम का नेतृत्व स्वयं पुलिस आयुक्त श्री रविंदर जे. गौड़ ने किया, जबकि अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं यातायात), डीसीपी ट्रांस हिंडन, डीसीपी ग्रामीण, और सभी जोनों के एसीपी ने अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजन संपन्न कराए। पूरा दिन सरदार पटेल के आदर्शों और राष्ट्रीय

शेष, पृष्ठ 6

संपादकीय

ट्रैक पर आए रिश्ते

ईरान के चाबहार बंदरगाह पर भारत को अमेरिकी प्रतिबंधों से मिली छूट बड़ी राहत है। भले अभी यह केवल 6 महीने के लिए हो, लेकिन बातचीत के जरिये दोनों देश आगे कोई न कोई रास्ता निकाल सकते हैं। यह खबर भारत-अमेरिका रिश्तों में हो रहे सुधार का संकेत देती है।

रणनीतिक अहमियत : ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में, 2018 में भारतीय कंपनियों को चाबहार डिवेलप करने की छूट दी थी। लेकिन, दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने इस छूट को खत्म करने के एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए। उनका यह आदेश 29 सितंबर से लागू हुआ था। भारत के लिए चाबहार केवल व्यापार के नजरिये से महत्वपूर्ण नहीं, जहां उसने अरबों रुपये का निवेश किया है - इसकी अहमियत रणनीतिक भी है। चीन को जवाब चाबहार एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों को जवाब है। चीन अपने महत्वाकांक्षी इफ्रप्रॉजेक्ट के तहत पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट को डिवेलप कर रहा है। चाबहार से नई दिल्ली को अफगानिस्तान और मध्य एशिया में एंट्री का नया रास्ता मिल जाता है, वह भी पाकिस्तान जाए बिना। भारत, रूस और ईरान ने मिलकर इंटरनैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर की योजना बनाई थी और चाबहार इसका अहम हिस्सा है।

वार्ता का असर : एक महीने में ही अमेरिकी रुख में आया बदलाव बताता है कि नई दिल्ली और वॉशिंगटन की बातचीत सही दिशा में चल रही है। महत्वपूर्ण है कि इस छूट की घोषणा से कुछ ही घंटों पहले एशिया पैसिफिक के मंच से ट्रंप ने बताया था कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द होने वाली है।

रिश्तों में स्थिरता अमेरिका ने अगस्त में भारत पर 50% टैरिफ थोपा था। तब से अभी तक दोनों देशों के संबंध कई उतार- चढ़ाव से गुजरे हैं। इस दौरान ट्रंप ही नहीं, उनके व्यापार सलाहकार पीटर नवारो और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी भारत के खिलाफ यानबाजी की और दबाव बनाने का प्रयास किया। लेकिन, अब रिश्तों में स्थिरता आती दिख रही है।

भारत की जरूरत चीन के साथ अमेरिका की रेयर अर्थ को लेकर दो बार भिड़ंत हो चुकी है। स्कॉट बेसेंट तो यहां तक कह चुके हैं कि इस लड़ाई में भारत को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अभी भले ट्रंप और शी ने मिलकर मुद्दे सुलझा लिए हों, पर चीन पर दबाव बनाए रखने के लिए वर को भारत जैसा साथी चाहिए। इस बदली हवा में भारत के लिए भी संदेश है कि वह ट्रेड डील से लेकर रूसी तेल तक, हर मुद्दे पर अपनी बात मजबूती से रखे।

'समुद्री सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी बने स्थिरता के स्तंभ', आसियान-भारत बैठक में बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। आसियान-भारत रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में राजनाथ सिंह ने भारत और आसियान दोनों ने तेज आर्थिक विकास दिखाया है और अब पारस्परिक समृद्धि के लिए आर्थिक संबंधों को और गहरा करने का समय है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान-भारत रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक में कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में आसियान-भारत संबंध स्थिरता का एक मजबूत स्तंभ बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान दोनों ने तेज आर्थिक विकास दिखाया है और अब पारस्परिक समृद्धि के लिए आर्थिक संबंधों को और गहरा करने का समय है। मंत्री ने कहा कि हम आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा के जल्द पूरा होने की आशा करते हैं।

समुद्री सुरक्षा को बताया भारत-आसियान साझेदारी का केंद्रबिंदु

रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री सुरक्षा भारत-आसियान साझेदारी का प्रमुख क्षेत्र है। उन्होंने आसियान देशों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आसियान-भारत समुद्री अभ्यास के दूसरे संस्करण को मंजूरी देना क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में अहम कदम है। यूएनसीएलओएस के सिद्धांतों पर आधारित समुद्री व्यवस्था उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री मार्गों की सुरक्षा भारत के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि भारत के आधे से अधिक व्यापार का आवागमन दक्षिण चीन सागर और मलक्का जलडमरूमध्य से होता है। सिंह ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र समुद्र कानून (वठउछडर) के सिद्धांतों पर आधारित समुद्री व्यवस्था का समर्थन करता है और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर है। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिण चीन सागर में किसी भी आचार संहिता को सभी देशों के वैध हितों का सम्मान करना चाहिए ताकि क्षेत्रीय हित सुरक्षित रह सकें। आसियान-भारत समुद्री अभ्यास में भागीदारी का किया आह्वान उन्होंने आसियान देशों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने देशों के प्रमुख रक्षा विशेषज्ञों और शिक्षाविदों को इस मंच में शामिल होने के लिए नामित करें।

महिला शांति रक्षकों के लिए नई पहल का प्रस्ताव

बैठक में राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए आसियान-भारत पहल के दूसरे संस्करण की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में दो चरण होंगे, पहले चरण में महिला सैन्य अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कोर्स होंगे, जबकि दूसरे चरण में नागरिकों की सुरक्षा और महिला शांति रक्षकों की भूमिका पर एक टेबल-टॉप अभ्यास आयोजित किया जाएगा।

आतंकवाद-रोधी अभियान पर जोर

सिंह ने कहा कि भारत आपदा राहत, आतंकवाद-रोधी अभियान और समुद्री सुरक्षा में अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने दोनों क्षेत्रों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त रक्षा थिंक टैंक मंच बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि यह मंच नीति अनुसंधान, संवाद और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देगा, जिससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र की बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

एलएंडटी और अमेरिकी जीएएएसआई में साझेदारी, भारत में बनेगी अत्याधुनिक मानवरहित विमान प्रणाली

नई दिल्ली। एलएंडटी ने भारतीय सेना के लिए मानवरहित विमान प्रणाली बनाने के लिए अमेरिकी कंपनी के साथ समझौता किया है। यह साझेदारी भारत में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और स्वदेशी एयरोस्पेस निर्माण को सशक्त करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने शुक्रवार को अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक. (जीएएएसआई) के साथ एक रणनीतिक समझौता किया है। इस साझेदारी के तहत भारतीय सेना के लिए दोनों कंपनियां मीडियम ऑल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (टअछए) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम का निर्माण भारत में करेंगी।

एलएंडटी रक्षा मंत्रालय के कार्यक्रम में लेगी हिस्सा

कंपनी ने बयान में कहा कि इस गठजोड़ के तहत एलएंडटी की इंजीनियरिंग, सटीक विनिर्माण और डिफेंस-एयरोस्पेस सेक्टर में सिस्टम इंटीग्रेशन की विशेषज्ञता व जीएएएसआई की परिचालन क्षमता का उपयोग किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस साझेदारी के तहत एलएंडटी रक्षा मंत्रालय के आगामी 87 एमएएलई आरपीएएस कार्यक्रम में भाग लेगी, जहां एलएंडटी प्रमुख बोलीदाता होगी और जीए-एएसआई प्रौद्योगिकी साझेदार होगी।

MQ-श्रृंखला RPAS का उत्पादन संभव

इस सहयोग से GA-ASI IZY MQ-श्रृंखला RPAS का उत्पादन संभव हो सकेगा, जो युद्ध में सिद्ध हैं। इसमें कहा गया है कि ये विमान विश्व भर में व्यापक रूप से कार्यरत हैं व निगरानी और हमले के अभियानों में लाखों घंटे उड़ान भर चुके हैं।

मारुति सुजुकी का मुनाफा 8% बढ़कर 3349 करोड़ पहुंचा सितंबर तिमाही में राजस्व में 13 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया का राजस्व सितंबर तिमाही में 13 प्रतिशत बढ़कर 42,344.20 करोड़ हो गया। वहीं कंपनी का कर के बाद लाभ (ढअळ) साल-दर-साल आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 3,349 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सितंबर तिमाही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का कर के बाद लाभ (ढअळ) साल-दर-साल आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 3,349 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

कंपनी का राजस्व बढ़कर 42,344.20 पहुंचा

कंपनी का कुल राजस्व इस दौरान 13 प्रतिशत बढ़कर 42,344.20 करोड़ हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 37,449.20 करोड़ था। कंपनी ने बताया कि यह वृद्धि मजबूत बिक्री, बेहतर उत्पाद मिश्रण और निर्यात में सुधार के कारण हुई है। दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च एक साल पहले के 33,879.1 करोड़ रुपये से बढ़कर 39,018.4 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि दूसरी तिमाही में उसकी घरेलू थोक बिक्री साल-दर-साल आधार पर 5.1 प्रतिशत घटकर 4,40,387 इकाई रह गई, क्योंकि ग्राहकों ने 22 सितंबर से जीएसटी के कारण कीमतों में कटौती की उम्मीद के चलते खरीदारी टाल दी थी। दूसरी ओर, निर्यात 42.2 प्रतिशत बढ़कर 1,10,487 इकाई हो गया, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक है।

कुल बिक्री में आया सात प्रतिशत का उछाल

कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में कुल बिक्री 1.7 प्रतिशत बढ़कर 5,50,874 इकाई हो गई। तिमाही के दौरान, कंपनी ने कहा कि उसने ₹पिछले वर्ष की इसी अवधि के 35,589.1 करोड़ रुपये के मुकाबले 40,135.9 करोड़ रुपये की अपनी अब तक की सर्वाधिक शुद्ध बिक्री दर्ज की है।

पहली तिमाही के आंकड़े

वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर अवधि) में मारुति सुजुकी इंडिया ने कुल 10,78,735 इकाइयां बेचीं, जिसमें 8,71,276 इकाइयों की घरेलू बिक्री और 2,07,459 इकाइयों का अब तक का उच्चतम अर्ध-वार्षिक निर्यात शामिल है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कुल मात्रा में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से निर्यात में 39.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के कारण हुई।

रोचक तथ्यों का करंट

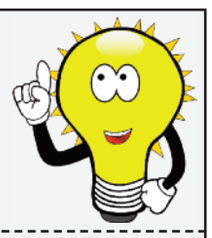

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के मुताबिक, 6% से अधिक बच्चे अवसाद से ग्रस्त हैं और उनमें से 4 ।9% की बड़ी अवसाद है।
- गंभीर अवसाद कोशिकाओं में बुढ़ापे की प्रक्रिया को बढ़ाकर हमें जैविक रूप से अधिक उम्र का बना सकता है।
- अवसाद के लगभग 80% पीड़ित उपचार प्राप्त नहीं कर रहे हैं।
- हास्य कलाकारों और हास्यास्पद लोगों पर किए गए शोध से पता चला है कि वे आमतौर पर औसत से अधिक उदास हैं।
- एक बार जब लोग मध्य जीवन को प्रभावित करते हैं, तो टेस्टोस्टेरोन की कमी के कारण उन्हें अवसाद का खतरा बढ़ सकता है।
- दुनियाभर में सभी उम्र के 350 मिलियन लोग अवसाद से ग्रस्त हैं।
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी समस्याओं के लगभग 30% लोग भी अवसाद से पीड़ित हैं।
- पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दो गुणा अधिक होने की वजह से प्रमुख अवसाद से पीड़ित हैं।
- जिन लोगों में से 15% अवसाद से ग्रस्त होते हैं, वे हर साल अपनी जान लेते हैं।

राशिफल

मेष : छोटी-मोटी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य को उत्साह व प्रसन्नता से कर पाएगा।

वृष : किसी पुरानी व्याधि के उभरने की संभावना है। जल्दबाजी में कोई कार्य न करें। किसी व्यक्ति विशेष से विवाद हो सकता है।

मिथुन : प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

कर्क : घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कन्या : कोई आकस्मिक खर्च सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है।

तुला : कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रुका हुआ पैसा जैसे एरियर, कमीशन व किराया आदि प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक : किसी धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी।

धनु : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। भाग्य का साथ रहेगा। मित्रों तथा पारिवारिक सहयोग से काम बनेंगे।

मकर : चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। किसी व्यक्ति से बेबात बहस हो सकती है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुंभ : प्रेम-प्रसंग में मधुरता रहेगी। व्यस्तता रहेगी। किसी सरकारी कार्यालय में अटका काम मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मीन : किसी तरह की झंझट में न पड़ें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं।

चुटकुले

अटल सत्य : पढ़ाई और जिम हमेशा कल से शुरू होते हैं।
और सिगरेट व दारू कल से बंद होते हैं।

पत्नी : सुनो जी, मैं थक गई हूँ, थोड़ा काम कर दो!
पति : कौन सा काम?
पत्नी : बस बर्तन धो दो!
पति : मैं सोच रहा था, -WiFi रीस्टार्ट कर दूँ!

टीचर : बेटा, बताओ "Light" किसे कहते हैं?
पप्पू : जो जाती रहती है!
टीचर : क्या मतलब?
पप्पू : हमारे घर की बिजली! ⚡

दोस्त : भाई, आजकल नींद क्यों नहीं आती?
दूसरा : क्योंकि रोज अलार्म मोबाइल में नहीं, बीवी में सेट है!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान का समापन
सफाई कर्मियों को किया गया सम्मानित

गाज़ियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम गाज़ियाबाद द्वारा चलाए गए स्वच्छता ही सेवा 2025 विशेष अभियान 5.0 का समापन शुक्रवार को पॉकेट-2 स्थित धन्वंतरि सभागार में हुआ। कार्यक्रम में शहर की स्वच्छता व्यवस्था में योगदान देने वाले सफाई कर्मियों, एमटीएस और सुरक्षा गार्डों को सम्मानित किया गया।

समापन समारोह में पूर्व महापौर आशु वर्मा मुख्य अतिथि और पूर्व उप महापौर एवं पार्षद प्रवीण चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रमन मोहन सिंह, निदेशक ने की, जबकि डॉ. रमेश, नोडल अधिकारी (स्वच्छता) ने संचालन किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके बाद स्वच्छता अभियान 5.0 से जुड़ी ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति दिखाई गई। अभियान के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र दिए गए और सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रहरी के रूप में सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आशु वर्मा ने कहा कि ह्लगाज़ियाबाद की स्वच्छता केवल नगर निगम का नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक दायित्व है। विशिष्ट अतिथि प्रवीण चौधरी ने कहा कि ह्लशहर की सफाई में दिन-रात जुटे कर्मी असली हीरो हैं, जो गाज़ियाबाद को स्वच्छ और सुंदर बना रहे हैं। कार्यक्रम का समापन डॉ. एस.सी. वर्मा के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को सार्थक बनाया।

जिला कांग्रेस कमेटी ने मनाई इन्दिरा गांधी की पुण्य तिथि और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद की ओर से देश की प्रथम महिला प्रधान मन्त्री इन्दिरा गांधी की 41 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इन्दिरा प्रियदर्शिनी पार्क मे स्थित इन्दिरा गांधी की मूर्ति पर कार्यकताओं ने माल्यार्पण किया साथ ही देश के पहले गृहमंत्री लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि महापुरुषों की जयंती और पुन्य तिथि मनाने के अवसर पर हम लोग जो विचार गोष्ठी का आयोजन करते हैं उसका उद्देश्य उन महापुरुषों को सम्मान देना तो होता ही है साथ -साथ उनके जीवन से प्रेरणा लेना होता है। आज से 41 वर्ष पहले देश ने इन्दिरा गांधी के रूप मे ऐसा नेता खोया था जिन्होंने 1971 मे पाकिस्तान के दो टुकडे करके इतिहास ही नहीं दुनिया का भूगोल ही बदल दिया था। और इस तरह की दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण ही पूरी दुनिया मे उन्हे आयरन लेडी के नाम से जाना गया और सरदार बल्लभ भाई पटेल जिन्होंने देश के प्रथम गृह मन्त्री के रूप मे राजा, रजवाडे और रियायतों मे बटे देश को एक करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम उस पार्टी के कार्यकर्त्ता है जिसे इन महान शख्सियतों ने अपने खून पसीने से सींचा। राहुल गांधी की कार्यप्रणाली और कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर विनोद धामा ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा। जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा और वरिष्ठ कांग्रेसियो ने पटका पहनाकर जिला कांग्रेस कार्यालय पर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से सतीश शर्मा पूर्व मन्त्री, शशिभूषण शर्मा, ओमदत्त गुप्ता संगठन प्रभारी,उपाध्यक्ष ,अश्विनी त्यागी, सुनील चौधरी, डोली त्यागी,नईम त्यागी, सुरेंद्र शर्मा, आबिद अली,हरीश कंसल, सुरेंद्र (बब्लू),उदयपाल सिंह, विनोद धामा, सविता गौतम, सविता जैसवाल, रूबी मलिक, समीना खातून, आरिफ राजा, भरत सिंह, कृपा शंकर, राजेश गुप्ता,सुनील कुमार, हसीन,ताहिर, देनदत्त शर्मा लज्जा यादव, सुशील शर्मा,उमेश शर्मा उपस्थित थे।

सीएक्यूएम के आदेश पर गाजियाबाद परिवहन विभाग की बैठक
दिल्ली में अब 31 अक्तूबर 2026 तक स्टेज-4 वाहनों को मिली अनुमति

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), नई दिल्ली के नवीन आदेशों के क्रम में शुक्रवार को संभागीय परिवहन कार्यालय, गाज़ियाबाद में बस, ट्रक और टैक्सी यूनियनों के पदाधिकारियों तथा वाहन संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. सियाराम वर्मा ने की।

उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि सीएक्यूएम द्वारा 17 अक्तूबर 2025 को जारी निर्देश संख्या-88 में संशोधन करते हुए दिल्ली राज्य में भारत स्टेज-4 श्रेणी के वाणिज्यिक वाहनों को 31 अक्तूबर 2026 तक संचालन की अनुमति प्रदान की गई है।

निम्न श्रेणी के वाहनों पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

करंट क्राइम। डॉ. वर्मा ने स्पष्ट किया कि भारत स्टेज-4 से नीचे की श्रेणी के वाहनों को किसी भी दशा में दिल्ली राज्य की ओर संचालित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीमाओं से सटे गाज़ियाबाद और नोएडा के प्रवेश बिंदुओं पर परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीमें निगरानी में हैं। 'यदि कोई वाहन भारत स्टेज-4 से निम्न श्रेणी का पाया गया, तो उसके संचालन को तत्काल रोका जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।'

सीमाओं पर सख्त निगरानी व्यवस्था

करंट क्राइम। 1 नवंबर 2025 से ही दिल्ली दिशा में प्रवेश करने वाले वाणिज्यिक वाहनों पर सघन निगरानी शुरू कर दी गई है। परिवहन विभाग ने जनहित में वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों की फिटनेस, प्रदूषण प्रमाणपत्र और कर अद्यतन रखें तथा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के आदेशों का पालन सुनिश्चित करें।

बैठक में शामिल अधिकारी और प्रतिनिधि

करंट क्राइम। बैठक में प्रमोद कुमार सिंह (आरटीओ प्रशासन), डॉ. सियाराम वर्मा (आरटीओ प्रवर्तन), मनोज कुमार मिश्रा (एआरटीओ प्रवर्तन) सहित बस, ट्रक और टैक्सी यूनियनों के पदाधिकारी तेजपाल त्यागी, सुनील शर्मा, योगेंद्र सिंह, एम.के. शर्मा, टीकाराम शर्मा, संदीप शर्मा, गौरव शर्मा और अमित भारद्वाज उपस्थित रहे।

लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट ने मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरुप पार्क जी टी रोड साहिबाबाद के प्रांगण में आधुनिक भारत के शिल्पकार दिवस के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती समारोह आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता समाजवादी चिन्तक राम दुलार यादव ने कहा कि सरदार पटेल महान देश भक्त, ब्रिटिश गुलामी से भारत को आजाद कराने, एकता के सूत्र में पिरोने, किसानों, कामगारों, महिला सशक्तिकरण और कमजोर वर्गों के सर्वांगीण विकास में अपना सारा जीवन लगा दिया। मुख्य अतिथि समाज सेवी सरदार अमरजीत सिंह कलिंगा ने कहा कि सरदार पटेल ने 565 टुकड़ों में विभाजित भारत को एक सूत्र में ऐसे पिरो दिया जैसे माला में हर फूल, आधुनिक भारत के सच्चे सपूत व शिल्पकार रहे है। कार्यक्रम के अध्यक्ष इंजीधीरेंद्र यादव , हरिभान सिंह पटेल ने शामिल सभी विद्वानों, पत्रकार साथियों, सांस्कृतिक कार्यक्रम से सभी को आत्मविभोर करने वाले गीतकारों का धन्यवाद किया।

कार्यक्रम में जगन्नाथ प्रसाद, त्रिलोकी, सम्राट सिंह यादव, डा देवकर्ण चौहान ने भी संबोधित किया। सभी साथियों ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा ले चलने का संकल्प लिया।-

डॉ पी कुमार ने आईएएस विजय किरण आनंद से की मुलाकात

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। डॉ पी कुमार ने आईएएस विजय किरण आनंद से लखनऊ में मुलाकात की। विजय किरण आनंद वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। मुलाकात के दौरान डॉ पी कुमार ने विजय किरण आनंद से उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और अवस्थापना के क्षेत्र में हो रहे कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। विजय किरण आनंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करना है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एसीपी उपासना सिंह ने दिलाई आदर्शों पर चलने की शपथ

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एसीपी नंदग्राम उपासना सिंह ने मरियम स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं को सरदार पटेल के आदर्शों और राष्ट्रनिष्ठा के मार्ग पर चलने की शपथ दिलाई। उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और विद्यार्थियों से कहा कि सरदार पटेल का जीवन हमें अनुशासन, सत्यनिष्ठा और एकता की प्रेरणा देता है — यही राष्ट्र निर्माण का वास्तविक मार्ग है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी और सरदार पटेल के योगदान पर चर्चा की। एसीपी उपासना सिंह ने कहा कि युवाओं को सरदार पटेल जैसे नेताओं के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में कर्तव्यनिष्ठा लानी चाहिए।

उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी अजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा — एसीपी उपासना सिंह जैसी अधिकारी न केवल पुलिस विभाग का गौरव हैं, बल्कि समाज में भरोसे और प्रेरणा की नई पहचान हैं। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्शों पर चलना ही सच्चे अर्थों में देशसेवा है।

पुलिस और समाज दोनों के लिए प्रेरणा बनीं एसीपी उपासना सिंह

करंट क्राइम। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गाज़ियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के सभी थानों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। एसीपी नंदग्राम उपासना सिंह ने मरियम स्कूल में न केवल छात्रों, बल्कि उपस्थित पुलिसकर्मियों को भी सरदार पटेल के आदर्शों की शपथ दिलाई। उनका यह कदम समाज और पुलिस— दोनों के बीच संवाद और विश्वास की नई मिसाल बना। हाल ही में कमिश्नरेट गाज़ियाबाद के पुलिस आयुक्त रविंदर जे. गौड़ द्वारा समाजसेवियों और वरिष्ठ पत्रकारों के साथ आयोजित दीपावली मिलन समारोह को भी एसीपी उपासना सिंह ने एक सकारात्मक पुलिस-जनसंपर्क प्रयास बताया।

खोड़ा नगरपालिका में सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती मनाई गई
अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार ने दिलाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। खोड़ा नगर पालिका परिषद में 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में, सभी उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। उन्होंने सरदार पटेल के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने के लिए भी प्रेरित किया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता और अखंडता के शिल्पकार थे। उन्होंने देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अभिषेक कुमार ने कहा, सरदार पटेल के विचार और आदर्श हमें आज भी प्रेरित करते हैं। उनकी जयंती पर हम सभी को एकता की शपथ लेनी चाहिए और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। इस अवसर पर कर अधीक्षक सुशील कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दिव्याकांत अग्रवाल, कर निरीक्षक दीक्षा चौहान, अवर अभियंता अनुज गोयल, सम्मानित सभासद व पालिका स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और एकता की शपथ ली।

जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने इंदिरापुरम विस्तार योजना एवं एलिवेटेड रोड का किया निरीक्षण
कार्य की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता पर दिया विशेष बल

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने शुक्रवार को प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंदिरापुरम विस्तार योजना एवं एलिवेटेड रोड पर कनावनी पुलिया के निकट निमार्णाधीन स्लिप रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जीडीए उपाध्यक्ष ने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा स्थल पर उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समयावधि में, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के उच्चतम मानकों के साथ पूर्ण किए जाएँ। उन्होंने कहा कि गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण की सभी परियोजनाएँ जनसुविधा एवं शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों को शीघ्र सुविधाओं का लाभ पहुँचाने के लिए सभी परियोजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान जीडीए उपाध्यक्ष ने योजनाओं के अंतर्गत विकसित की जा रही अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी प्रदान किए।

शहर में निकली खाटू श्याम की भव्य और संगीत में निशान शोभायात्रा

गाजियाबाद करंट क्राइम। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार को खाटू श्याम की भव्य, विशाल एवं संगीतमय निशान शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभा यात्रा श्री ठाकुरद्वारा मंदिर हापुड़ मोड़ से प्रारंभ हुई। मंदिर प्रांगण में निशानों की पूजा अर्चना के बाद खाटू श्याम बाबा को भव्य श्रृंगार के साथ रथ पर विराजमान किया गया। पावन जोत प्रज्वलित करके शोभा यात्रा का शुभारंभ किया गया। रंग बिरंगे परिधानों से शोभित श्याम प्रेमी हाथों में निशान लेकर मंदिर प्रांगण से रवाना हुए। ढोल नगाड़ों , शहनाई एवं डीजे की मधुर धुनों पर खाटू श्याम के मीठे भजनों को गाते हुए सभी श्याम प्रेमी शोभा यात्रा में शामिल हुए। यह शोभा यात्रा नगर के प्रमुख बाजारों जैसे दिल्ली गेट, चौपला, घंटाघर , राइट गंज, रमते राम रोड, जीटी रोड से चौधरी मोड होते हुए अम्बेडकर रोड से श्री बालाजी एवं खाटू श्यामजी मंदिर श्याम मार्ग गाजियाबाद के प्रांगण में पहुंची । यहां शोभा यात्रा ने विश्राम लिया। सभी श्याम प्रेमियों ने अपने निशान श्याम बाबा को अर्पित करके आशीर्वाद लिया। उपरांत सभी ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। यह भव्य आयोजन श्री खाटू श्याम कुटुम्ब सेवा परिवार मंदिर समिति ट्रस्ट रजिस्टर्ड एवं श्री श्याम परिवार समिति गाजियाबाद द्वारा किया गया।

उपखनिज ढोने वाले वाहनों पर अब अनिवार्य होगा एआईएस-140 जीपीएस डिवाइस, 15 नवंबर से लागू

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। जनपद में उपखनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों के लिए अब एआईएस-140 जीपीएस डिवाइस लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ने बताया कि भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ की ओर से जारी निदेशों के अनुसार, राज्य में उपखनिजों के परिवहन में पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। निर्देशों के मुताबिक, सभी वाहन स्वामी और चालक अपने वाहनों में एआईएस-140 प्रमाणित जीपीएस डिवाइस लगाकर उसे विभागीय पोर्टल https://registration.vtsdgm.up.in/register पर 15 नवंबर 2025 से पहले इंटीग्रेट (Integration) कराएं। निर्धारित समय सीमा के बाद केवल उन्हीं वाहनों को उपखनिज परिवहन हेतु अनुमति (ई-एमएम-11 प्रपत्र) दी जाएगी, जिनके जीपीएस डिवाइस पोर्टल से इंटीग्रेटेड होंगे।

निर्देशों का पालन न करने पर अनुमति रोकी जाएगी

करंट क्राइम। अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि 15 नवंबर 2025 के बाद जिन वाहनों में एआईएस-140 डिवाइस नहीं होगा या जिनका इंटीग्रेशन विभागीय पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया है, उन्हें ई-एमएम-11 प्रपत्र (खनिज परिवहन की अनुमति) जारी नहीं किया जाएगा। वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि वे समय से जीपीएस डिवाइस लगवाकर पोर्टल पर पंजीकरण कराएं।

शीघ्र पंजीकरण करने वालों को मिलेगा सम्मान

करंट क्राइम। खनन विभाग ने यह भी घोषणा की है कि जो परिवहनकर्ता समय से पहले जीपीएस इंटीग्रेशन कर लेंगे, उन्हें जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। तकनीकी सहायता या पंजीकरण से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए खनन विभाग कार्यालय, कैरी, गाज़ियाबाद में संपर्क किया जा सकता है।

आईएमएस गाजियाबाद में हुआ इंटर इन्स्टीट्युशनल साइंस फेस्ट जेनेसिस-2025 का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आई.एम.एस. गाजियाबाद (युनिवर्सिटी कोर्सेस कैम्पस) में एक दिवसीय इण्टर- इन्स्टीटयुशनल साइंस फेस्ट जेनेसिस-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. आशीष गौतम (सीनियर डायरेक्टर रोबोटिक एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल पटपड़ गंज नई दिल्ली, डा. सौरभ पाण्डेय (साइंटिस्ट मिनिस्ट्री ऑफ आयुष भारत सरकार), डॉ मनोदीप सेन (प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी डॉक्टर राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ), संस्थान की निदेशिका प्रो. (डा.) जसकिरण कौर एवं आई.एम.एस. गाजियाबाद ग्रुप आफ इन्स्टीटयुशन के महासचिव सीए (डॉ) राकेश छारिया द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया।

मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए समाज में विज्ञान की महत्ता को बताते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से छात्रों के सर्वांगीण विकास में इजाफा होता है। उन्होने कहा कि छात्र छात्राओं को इस तरह के प्रतियोगिताओं में जीत हार की चिंता किये बगैर अवश्य भाग लेना चाहिये।

कार्यक्रम के अंत में विजित छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ कपिल शर्मा एवं डॉ शालिनी शर्मा ने किया तथा विभागाध्यक्षिका डा. सुरभी जौहरी ने छात्रों एवं उनके अध्यापकों को सम्बोधित करते हुये उन्हे जेनेसिस-2025 में सम्मिलित एवं सम्मानित होने के लिये धन्यवाद दिया।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी'

कमिश्नरेट गाज़ियाबाद में देशभक्ति और अनुशासन का संगम

ग्रामीण जोन में डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी के नेतृत्व में एकता दौड़

करंट क्राइम। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी के नेतृत्व में ग्रामीण जोन के सभी थानों में 'रन फॉर यूनिटी' और शपथ समारोह आयोजित किए गए। अधिकारी और पुलिस बल एकजुट होकर दौड़े तथा सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र की अखंडता और सामाजिक एकता की रक्षा के लिए समर्पण की शपथ ली।

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को कमिश्नरेट गाज़ियाबाद पुलिस ने एकता, अनुशासन और देशभक्ति की अद्भुत मिसाल पेश की। शहर से लेकर थाना स्तर तक हर जगह 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहाँ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने दौड़ लगाई, सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को सशक्त बनाए रखने की शपथ ली।

कार्यक्रम का नेतृत्व स्वयं पुलिस आयुक्त श्री रविंदर जे. गौड़ ने किया, जबकि अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं यातायात), डीसीपी ट्रांस हिंडन, डीसीपी ग्रामीण, और सभी जोनों के एसीपी ने अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजन संपन्न कराए। पूरा दिन सरदार पटेल के आदर्शों और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को समर्पित रहा।

पुलिस लाइन्स में अपर पुलिस आयुक्त का आयोजन

करंट क्राइम। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं यातायात) ने पुलिस लाइन्स स्थित कैम्प कार्यालय में सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों को देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता को सशक्त करने की प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई। इस दौरान लाइन्स स्टाफ, आरक्षी और वरिष्ठ निरीक्षक मौजूद रहे।

मुख्यालय से निकला एकता का संदेश

करंट क्राइम। पुलिस आयुक्त रविंदर जे. गौड़ ने कमिश्नरेट कार्यालय प्रांगण में सभी अधिकारियों और कर्मियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को सुदृढ़ करने की शपथ दिलाई। उन्होंने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और कहा — सरदार पटेल का जीवन अनुशासन, सेवा और राष्ट्रहित के आदर्शों से भरा था। हमें भी पुलिस बल के रूप में उन्हीं मूल्यों पर कार्य करना चाहिए। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस कर्मी और सिविल स्टाफ मौजूद रहे।

ट्रांस हिंडन जोन में डीसीपी के नेतृत्व में दौड़ी पुलिस

करंट क्राइम। डीसीपी ट्रांस हिंडन के नेतृत्व में जोन के सभी थानों में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। अधिकारी और जवान तिरंगा लेकर दौड़े, और सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में एसीपी नंदग्राम उपासना सिंह, एसीपी वेव सिटी, और एसीपी कोतवाली नगर के नेतृत्व में थाना स्तर पर शपथ समारोह आयोजित हुए। सभी थानों पर अधिकारी और कर्मियों ने एकजुट होकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया।

थाना स्तर पर सभी एसीपी और थाना प्रभारियों ने दिलाई शपथ

करंट क्राइम। एसीपी वेव सिटी के नेतृत्व में थाना वेव सिटी और थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम का आयोजन किया। एसीपी कोतवाली नगर के नेतृत्व में थाना विजयनगर और थाना कोतवाली नगर की टीमों ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और शपथ ग्रहण समारोह संपन्न किया। इसी प्रकार एसीपी नंदग्राम उपासना सिंह ने थाना नंदग्राम कार्यालय में सभी कर्मियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति समर्पण की शपथ दिलाई। साथ ही कमिश्नरेट के सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थानों में सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और कर्मियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर समस्त अधिकारी, उपनिरीक्षक, आरक्षी व नागरिक पुलिसकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने बढ़ाया कार्यकर्ताओं का उत्साह

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारत के पूर्व गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिल्सी विधायक हरीश शाक्य मौजूद रहे। इस अवसर पर बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि खेलों के माध्यम से हम देश के महापुरूषों को श्रद्धांजलि भी देते हैं और फिट रहने का मंत्र भी देते हें। यह रेस देश की एकता के लिए आयोजित की गई है। खुशी की बात ये है कि युवाओं में इस रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया है। देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। हमारा कर्तव्य बनता है कि हम युवा पीढी को एक ऐसा पथ तैयार करके दें जहां उनके सपनों को उनके हौंसलों को उड़ान मिले। रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी धावकों को पारितोषिक भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम की व्यवस्था क्षेत्राधिकारी बिल्सी के नेतृत्व में थाना पुलिस बल द्वारा कुशलतापूर्वक संपन्न कराई गई। आयोजन के दौरान एकता, सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के संदेश को लोगों तक पहुंचाया गया।

गंगा स्नान : गढ़मुक्तेश्वर और अनूपशहर मेले के लिए 300 अतिरिक्त बसें, 2 से 6 नवंबर तक चलेंगी विशेष सेवाएँ

गाजियाबाद (करंट क्राइम): उत्तर प्रदेश परिवहन निगम, गाजियाबाद क्षेत्र ने आगामी कार्तिक पूर्णिमा (गंगा स्नान)-2025 के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गढ़मुक्तेश्वर और अनूपशहर में आयोजित होने वाले मेले के लिए व्यापक परिवहन योजना तैयार की है। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 से 6 नवंबर 2025 तक क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर कुल 300 विशेष वाहनें संचालित करने का निर्णय लिया गया है। कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य पर्व एवं गंगा स्नान 5.11.2025 को है, जिसके लिए गाजियाबाद क्षेत्र ने 5 दिनों तक यह सुविधा देने का निर्देश जारी किया है। क्षेत्रीय प्रबंधक के०एन० चौधरी ने बताया कि यह व्यवस्था श्रद्धालुओं को मेले तक पहुँचने और सकुशल वापसी सुनिश्चित करने के लिए की गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित 300 बसों के अतिरिक्त, यदि श्रद्धालुओं/यात्रियों की भीड़ अधिक होती है, तो उनकी उपलब्धता को देखते हुए और भी अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी ताकि कोई भी यात्री परिवहन सुविधा से वंचित न रहे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी का अंदाज ही सबसे अलग है। वो देहात की संस्कृति में रचे बसे हैं। गंगा तट पर उनका यह घुड़सवारी अंदाज फेसबुक पर छाया रहा। विधायक अजीत पाल त्यागी की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद फिर गरजे

कहा- हिम्मत है तो इस्लाम पर चर्चा करके देखें

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर और डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने एक बार फिर से मौलानाओं को उनके साथ इस्लाम पर चर्चा करने की चुनौती दी है। यति ने कहा कि वे फरवरी में देवबंद में धर्म संसद का आयोजन करने जा रहे हैं, अगर मौलाना और मौलवी उनसे इस्लाम पर शास्त्रार्थ करना चाहते हैं तो वहां आ जाए। उन्होंने कहा कि इस्लामिक जिहाद और तालिबान को लेकर फरवरी में देवबंद में धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। 6 और 7 सितंबर 2013 को देवबंद में ही पहली धर्म संसद हुई थी। तब भी मौलाना और मौलवियों को आमंत्रित किया गया था लेकिन उनके साथ चर्चा के लिए कोई नहीं आया। यति नरसिंहानंद देवबंद में महाकालेश्वर ज्ञान मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने ब्रह्मलीन स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज की समाधि पर धर्म संसद का संकल्प लिया। यति ने कहा कि ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज के आदेश पर कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनवाने और इस्लामिक जिहाद पर सरकार से श्वेत पत्र मांगा था। जिसके लिए उन्हें जेल जाना पड़ा था। उनके समर्थन में पूरे सहारनपुर का नौजवान उमड़ पड़ा था। आज ये मुद्दे तो कहीं खो गए है। उन्होंने कहा कि उन्हें बार बार प्रताड़ित और अपमानित किया जा रहा है परंतु वो अपने गुरु के द्वारा दी गई लड़ाई से बाल बराबर भी पीछे नहीं हट रहे हैं।

यति ने कहा कि यह धर्म संसद दारुल उलूम देवबंद और तालिबान के बढ़ते हुए प्रभाव का संपूर्ण मानवता और हिंदू समाज पर होने वाले प्रभाव पर चिंतन करेगी। यह धर्म संसद इस विषय में भी चिंतन करेगी कि इस्लामिक गुलामी आने पर हमारा भविष्य कैसा होगा और इस्लामिक भारत का संपूर्ण विश्व और मानवता पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

सीएम झूठ बोल रहे हैं या सांसद प्रतिनिधि और पार्षद सच बता रहे हैं

जीरो टॉलरेंस वाली सरकार है और जरा सी गलती पर बुल्डोजर आशियाने को ध्वस्त कर देता है। पुलिस ना जाने कितने बदमाशों को लंगड़ा कर चुकी है। ये अलग बात है कि अगर इस हाफ एंकाउटर के सीन को मिलायेंगे तो पता चलेगा कि बदमाश की गोली पुलिस से हाथ मिलती है और पुलिस की गोली बदमाश के पांव छूती है। मतलब ये कि बदमाश की गोली पुलिस की बांह में लगती है और पुलिस की गोली बदमाश के घुटने से नीचे लगती है। बाबा ने कहा कि अपराधी तो यूपी से पलायन कर गये हैं। अगर अपराधी पलायन कर गये हैं और यूपी सेफ है तो फिर सांसद प्रतिनिधि पर गोली चल जाती है। भाजपा की महिला पार्षद पर गोली चल जाती है। वैसे प्रभु राम की कृपा से ना सांसद को खरोच आती है और ना पार्षद को कोई खरोच आती है। अब लोग पूछ रहे हैं कि अगर अपराध खत्म हो गया तो ये गोलियां क्यों चल रही हैं और अगर सरकार वालों के ऊपर ही गोलियां चल रही हैं तो ये तो बड़ा सवाल लॉ एंड ऑर्डर पर है।

पार्षद जी ये पुलिस की है बूंदी, इसमें कभी लग ही नहीं सकती फंफूदी

शगुन वाले के लड्डुओं को लेकर ऐन दिवाली के मौके पर फूल वाले मैम्बर ने ऐसा रायता बिखेरा की हलवाई का मूड भी ऐंगर हो गया। दिवाली के बाद पुलिस के एक साहब ने भी लड्डू बांटे और लड्डुओं को लेकर चर्चा चली कि टाईम से ही खा लिया जाये तो ठीक है वरना निगम वाले लड्डुओं की तरह फंफूद ना लग जाये। लड्डू सेवा प्रदान करने वाले लाला जी ने कहा कि मैम्बर साहब को ये पता होना चाहिए कि ये पुलिस के लड्डू हैं इनमें फंफूद लग ही नहीं सकती। उन्होंने बताया कि तमाशा बाहर कितना हो, थाने के अंदर पुलिस का रूल चलता है। ना यकीन हो तो जो रहस्यमयी बंदर सारे जहान में नजर आया था वो बंदर कभी थाने के अंदर नहीं दिखा। आप बंदरों की बात कर रहे हो, तेंदुआ भी आया तो जीडीए वीसी के बंगले की तरफ गया, पुलिस कप्तान के बंगले की तरफ जाने की हिम्मत नहीं पड़ी। उसे पता था कि ये पुलिस है सारी तेंदुआगिरी निकाल देगी। और पुलिस की बात तो ऐसी है कि सारे जहान में चोटियां कटती फिरी मगर वो ताकत नहीं जो थाने में किसी का एक बाल भी बांका हो जाये। चोटी कटना तो बहुत दूर की बात है।

वो पूरे मौहल्ले में कहती घूम रही है कि कोई काम हो तो मुझे बतायें

भाजपा अपने चुनावी रण 2027 विधानसभा को साध रही है। उसके सारे आयाम इसी फोकस पर हैं और उन्हें खबर ही नहीं है कि मौहल्ले में प्रणाम शुरू हो चुके हैं। कमाल ये है कि कमल वाले ही कमल वाले के सामने दावेदारी को तैयार हैं। उनका बस चले तो आज ही उसे सीट से हटा दें और अपने घर के बाहर पार्षद का बोर्ड लगा दें। दावेदारी के इस दंगल में मोहल्ले वाले हैरान हैं। किस्सा उस वार्ड का है जहां मौजूदा पार्षद का मामला अता पता लापता वाला है और मौहल्ले में कई पार्षदों ने अवतार ले लिया है। इधर वाली पार्षद उधर आ जाये तो मंडल प्रधान जी के पेट में दर्द हो जाता है। अब सीन रोचक हो चला है और एक दावेदार ने तो अपनी एक्टिविटी काफी बढ़ा दी है। वो पूरे मौहल्ले में घूम रही हैं और उनका कहना है कि कोई काम हो तो मुझे बताना। मौहल्ले में पार्षद भाजपा की है मगर भाजपाईन ने एक्टिविटी का गर्दा ही काट रखा है।

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब था पैदल मार्च का प्रोग्राम और ऊपर से भी आया था कुछ ऐसा ही करार? सवाल करने वाले पूछ रहे है कि कौन लाया यहां पर विन्टेज कार? कहने वाले ने कहा कार्यकर्ता मजबूत था? दिख रही थी व्यवस्थायें चौकस? मगर हम देख रहे थे कार्यकर्ता से लेकर खास चेहरों का था सिर्फ विन्टेज वाली कार पर ही फोकस? जो भी हो विन्टेज कार ने बनाया हुआ था माहौल? पार्टी के लोग समझदार हैं, कुछ सोच समझकर ही दिया होगा कार को रोल?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं बैठा था संगठन के चेहरे के पास? उसके दिल से निकली दर्द-ए-दिल की बात? उसने कहा मैं बता रहा हूं आपको अपनी मन की बात? नन्द जी वाले एरिया में कुछ ऐसे ही हुए हालात? 145 बूथों में से केवल एक ही बूथ पर हुआ मन को सुनने वाला प्रोग्राम? इस व्यवस्था ने मुझको कर दिया बहुत ज्यादा हैरान? मैंने देखा शक्तिकेन्द्र पर भी नहीं दिखाई किसी ने भक्ति? 21 में से केवल एक पर प्रोग्राम हुआ? ऐसी कौन सी हो गई थी सख्ती?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा चाबी खो जाने वाले त्यागी जी की चाहत है बहुत बड़ी? हमें पता चला है उनका महानमंत्री वाले केस में नाम हो गया है फिक्स? कहने वाले ने कहा अगर उठा कर देख लो किसी भी पुराने कार्यक्रम का इतिहास? त्यागी जी को छोड़कर मंच संचालन का माईक नहीं जा रहा है किसी और के पास? कहने वाले ने कहा कभी-कभी तो इस मैटर में ले लेनी चाहिए उनको सांस? नए कार्यकर्ता को भी बोलने का मौका मिलना चाहिए? या माईक पर लिखवा दें ये सिर्फ एक ही चेहरे के लिए बना है साहब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि पटेल जी वाले कार्यक्रम में मजबूत नजर आ रही थी पूरी राय से मदन की भुजाएं? हमने देखा उन्होंने मंच के पास पहुंच कर अपने जलवे किसान वाले भारद्वाज को थे दिखाए? जैसे ही वो पहुंचे मंच के नजदीक? तभी भारद्वाज जी ने उनको रोक कर टोका? कहा आप पर्ची हमें दो, हम पहुंचा देंगे ऊपर? राय साहब को लगा ये तो छीना जा रहा है उनसे मौका? उन्होंने भगवा भारद्वाज को कराया एहसास? पर्ची तो हम ही देंगे, रहने दो आप? जितने मंच पर हैं वो हमको और हम उनकी रखते हैं पहचान? हमारे अंगने में आपका क्या है काम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि शुक्रवार को दिखे एक सरकारी कार्यक्रम में पूरब और पश्चिम के मिलन के हालात? कार्यक्रम में मौजूद थे दो-दो चौधरी साहब? दोनों की कार्यक्रम के बोर्ड में दिख रही थी पूर्व वाली उपाधि? मगर जैसे ही सीनियर वाले पूर्व वालों के हाथ में माईक आया? उन्होंने अपने अंदाज में पेश की शब्दों की मुनादी? सामने वाले को पूर्व उपाध्यक्ष बोल कर उन्होंने शुरू की अपनी बात? इग्नोर कर दिये वो शब्द जो बोर्ड पर लिखे थे साहब?

क्यों कहा कहने वाले ने कि अगर आप कर रहे हो कल वाले कार्यक्रम की समीक्षा? तो रखना हमारे शब्दों का ध्यान? कार्यक्रम में आये सिर को मत गिनना? बस रखना सिर्फ चेहरों पर ध्यान? जब चेहरों पर आप करोगे फोकस? तब होगा आपको हकीकत का एहसास? संगठन के कितने चेहरे और कार्यकर्ता कार्यक्रम से दूर थे? ऐसा करने से होगा आपको इस बात का आभास? हम तो कम होती हुई संख्या को लेकर हो रहे हैं चिंतित? आज्ञा करते हैं जो सिरमोर बने बैठे हैं वो जरूर हमारे शब्दों को अपने दिमाग में करेंगे अंकित?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमें कई बार समझ नहीं आते हैं गर्ग साहब के एहसास? कुछ ऐसा ही हमने फील किया जब पटेल जी के कार्यक्रम का मंच सजा था साहब? किसी ने उन्हें सम्बोधन के लिए माईक पर बुलाया? मगर हमने देखा गर्ग साहब ने इस निवेदन को बिल्कुल भी नहीं अपनाया? शायद मुख्य अतिथि को इंतजार ना करना पड़े, इस बात पर था उनका ध्यान? या फिर माईक इसलिए नहीं पकड़ा? बुलाने वाले से अंदरखाने चल रहा है उनका कोई रगड़ा?

क्यों कहा कहने वाले ने कि पटेल नगर वाले कांत भैया ने कहा जो भी हुई है घटना, उस पर हमारा भी मत चाहिए छपना? हम घटित हुई घटना से हैं बहुत ज्यादा आहत? जल्द से जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिए बदमाशों की? मिलनी चाहिए हमारे पार्टी के लोगों को राहत? हम पूरी तरह से हैं इस मामले में पीड़ित पक्ष के साथ? जल्द से जल्द बदमाशों की गर्दन तक पहुंचने चाहिए पुलिस के हाथ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि अग्रवाल जी के बर्थडे पर कुछ ज्यादा ही दिखाई दे रही थी पहलवान और पहलवान के दोस्त के अति प्रिय दीपक से उजाले वाले राघव के फेस पर स्माईल? हमने देखा वो बर्थडे पर अपनी बात रखना चाहते थे बड़ी? इसलिए साथ लेकर पहुंचे थे 1000 वाली बिजली बम की लड़ी? उन्होंने पूरी शिद्दत से लगाई उसमें आग? लड़ी आधी फुस-फुस करके जैसे-तैसे जली? बाकी लड़ी ने उसके बाद बिल्कुल भी नहीं पकड़ी आग? अब हमारे दिमाग में चल रहा है ये द्वंद्व? अगर राजनीति में वो बड़ा धमाका करना चाहते हैं तो क्यों लेकर आये ये फुस वाले बम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नाईस टाईटल वाले गुप्ता जी के कार्यक्रम में गर्ग साहब की जैसे ही पड़ी साधना जी पर नजर? उन्होंने तुरंत उनकी तारीफों का शुरू कर दिया जिक्र? कहा हम उनके जज्बे को करते हैं सलाम? 90+ की ऐज में वो दे रहे हैं अद्भुत सक्रियता का पैगाम? हम लेते हैं उनको देखकर सीख? फिर किसी ने कहा गर्ग साहब बाकी तो सब ठीक है मगर ऐज के आंकड़े को करो थोड़ा ठीक?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

चिन्टू जी

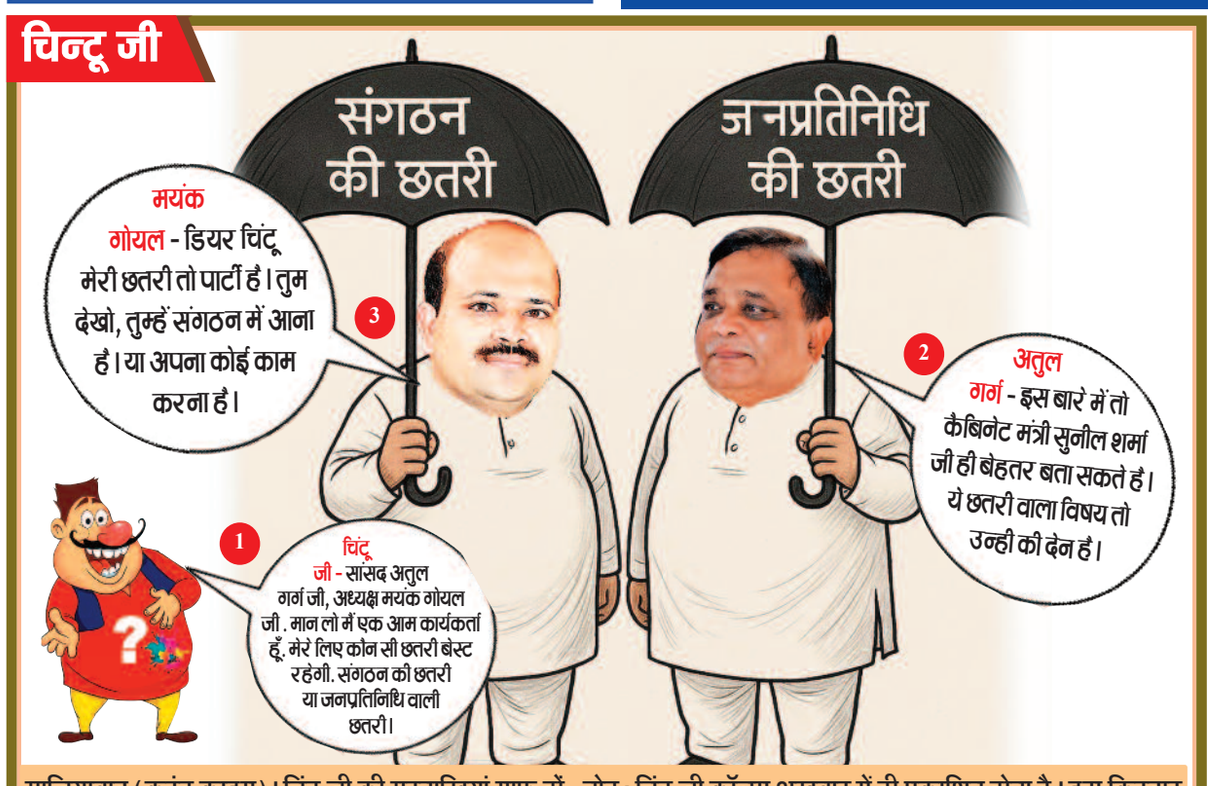

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

लंदन में मुगल काल के पेंटिंग की ऐतिहासिक बिक्री

119 करोड़ में बिका 'चीतों के परिवार' का चित्र

लंदन। मुगल सम्राट अकबर के प्रिय कलाकार बसावन की तरफ से बनाए गए एक अनोखे लघु चित्र ने इतिहास रच दिया है। यह पेंटिंग 'ए फैमिली ऑफ चीता इन ए रॉकी लैंडस्केप' लंदन के क्रिस्टीज नीलामी में 10,245,000 पाउंड (करीब 119.49 करोड़ रुपये) में बिकी। यह अब तक की सबसे महंगी क्लासिकल भारतीय कलाकृति बन गई है। यह नीलामी 28 अक्तूबर को 'एक्सेप्शनल पेंटिंग्स फ्रॉम द पर्सनल कलेक्शन ऑफ प्रिंस एंड प्रिंसेस सदरुद्दीन आगा खान' शीर्षक से हुई थी। यह पेंटिंग अपने अनुमानित मूल्य से 14 गुना ज्यादा कीमत पर बिकी।

लंदन के क्रिस्टीज नीलामी में अकबर के प्रिय कलाकार बसावन की तरफ से बनाए गए एक अनोखे पेंटिंग ने इतिहास रच दिया है। बता दें कि ये पेंटिंग अपने अनुमानित मूल्य से 14 गुना ज्यादा कीमत पर बिकी।

मुगल काल की प्रारंभिक और उत्कृष्ट पेंटिंग में से एक

यह कलाकृति लगभग 1575-80 ईस्वी के बीच की है और इसे मुगल काल की प्रारंभिक और उत्कृष्ट पेंटिंग्स में गिना जाता है। चित्र में एक चीतों का परिवार दिखाया गया है जो हरे-भरे मैदान में आराम कर रहा है। पास ही एक बहती हुई धारा और मुड़े-तुड़े तने वाला बड़ा पेड़ है जो उन्हें छांव देता है। नर चीता संतुष्ट भाव से देख रहा है जबकि मादा अपने बच्चों को दूध पिला रही है और एक शावक को साफ कर रही है।

क्रिस्टीज की इस नीलामी में 100% कलाकृतियां बिकीं

क्रिस्टीज की इस नीलामी में कुल 95 पेंटिंग्स थीं, जिनमें भारतीय, फारसी और ऑटोमन कलाकारों के कार्य शामिल थे। इनमें दुस्त मुहम्मद, बसावन, गुलाम अली खान, बिशन सिंह, रेजा अब्बासी और लेवनी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की कृतियां थीं। क्रिस्टीज की इस नीलामी में 100 प्रतिशत कलाकृतियां बिकीं और कुल बिक्री 45.76 मिलियन पाउंड (लगभग 533.79 करोड़ रुपये) तक पहुंची। इसमें 20 देशों के खरीदारों ने हिस्सा लिया।

क्रिस्टीज में ये भी पेंटिंग्स की हुई बिक्री

वहीं अन्य प्रमुख पेंटिंग्स की बिक्री की बात करें तो इसमें 'महाराव उम्मेद सिंह और जालिम सिंह टाइगर हंटिंग', 1781 ई., 58.94 करोड़ रुपये में बिकी। वहीं 'ए प्रिंस हॉकिंग', लगभग 1610 ई., 46.12 करोड़ रुपये में बिकी। जबकि दुस्त मुहम्मद की 16वीं सदी की 'शाह अबुल मआली ऑफ काशगर' की पेंटिंग 31.89 करोड़ रुपये में बिकी।

इस्राइल ने सौंपे 30 फलस्तीनियों के शव, हमास के कब्जे में अभी भी 11 के अवशेष, तनाव बरकरार

यरूशलम। इस्राइल और हमास के बीच पहले चरण के शांति समझौते के बीच बंधकों और कैदियों की अदला-बदली जारी है, हालांकि इसमें भी तनाव की स्थिति बरकरार है। अब शांति समझौते का पालन करते हुए गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस्राइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। शुक्रवार को यह हस्तांतरण ऐसे समय में हुआ है, जब एक दिन पहले ही गाजा में हमास ने दो बंधकों के अवशेष इस्राइल को सौंप थे।

इस्राइली सेना ने गुरुवार को बताया था कि हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को मृत बंधकों के अवशेषों से भरे दो ताबूत सौंपे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए इस युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइली और हमास के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है।

इस्राइल के दो शवों की हुई पहचान

गुरुवार (30 अक्तूबर) को इस्राइली सेना ने कहा कि अवशेषों के दो सेट गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए, फिर सैनिक उनको इस्राइल लेकर गए, जहां से पहचान के लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक चिकित्सा संस्थान ले जाया गया। वहीं इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने गुरुवार देर रात कहा कि इन अवशेषों की पुष्टि सहर बारूक और अमीरम कूपर के रूप में हुई है, दोनों को 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए हमले के दौरान बंधक बना लिया गया था, जिसके बाद युद्ध छिड़ गया था।

युद्धविराम की शुरूआत के बाद से हमास ने अब तक 17 बंधकों के अवशेष लौटा दिए हैं, जबकि 11 अन्य अभी भी गाजा में हैं और समझौते की शर्तों के तहत उन्हें सौंप दिया जाएगा। हालांकि इस्राइल ने इस बीच गलत शव के अवशेष लौटाने का भी हमास पर आरोप लगाया था।

जानिए कौन थे दोनों लोग?

बता दें कि सहर बारूक (25), जो किबुत्ज बेरी से अगवा किए गए थे, वो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू करने वाले थे। उनके भाई इदान की हमले में मौत हो गई थी। तीन महीने बाद इस्राइली सेना ने घोषणा की थी कि सहर एक असफल बचाव अभियान में मारे गए, जबकि अमीरम कूपर, एक अर्थशास्त्री और किब्बुत्ज निर ओज के संस्थापकों में से एक थे। उन्हें उनकी पत्नी नूरित के साथ अगवा किया गया था। नूरित को 17 दिन बाद रिहा कर दिया गया था, जबकि जून 2024 में अधिकारियों ने पुष्टि की कि अमीरम कूपर की गाजा में हत्या कर दी गई थी। उनकी उम्र 84 साल थी।

गाजा में शवों की पहचान में हो रही दिक्कत

इधर, इस्राइल ने 195 फलस्तीनियों के शव गाजा के अधिकारियों को उनकी पहचान का विवरण दिए बिना लौटा दिए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि वे 7 अक्तूबर के हमले के दौरान इस्राइल में मारे गए थे, इस्राइली हिरासत में बंदी के रूप में मरे थे या युद्ध के दौरान सैनिकों द्वारा गाजा से बरामद किए गए थे। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों को डीएनए किट उपलब्ध ना होने के कारण शवों की पहचान करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

केरल के दो नर्स बने देवदूत

बीच हवा में शख्स को पड़ा दिल का दौरा एअर अरेबिया के विमान में बचाई जान

केरल के दो नर्सों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए एअर अरेबिया के विमान में एक शख्स को दिल का दौरा पड़ने के दौरान न सिर्फ मदद बल्कि विमान के सुरक्षित लैडिंग तक उसका ख्याल भी रखा।

दुबई। केरल के दो नर्सों ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान में इंसानियत की एक मिसाल पेश की। दरअसल, कोच्चि से अबू धाबी जा रही एयर अरेबिया की उड़ान (3छ128) में सफर के दौरान एक यात्री को अचानक दिल का दौरा पड़ा। उस समय विमान उड़ान भरने के लगभग 20 मिनट बाद हवा में था।

नई नौकरी के लिए यूएई जा रहे थे दोनों नर्स: जानकारी के मुताबिक, केरल के वायनाड के रहने वाले अभिजीथ जीस (26) और चेंगन्नूर के अजीश नेल्सन (29), दोनों नर्स, अपने नए नौकरी के लिए यूएई जा रहे थे।

तभी उन्होंने देखा कि एक यात्री, जो केरल का ही था, अचानक सांस लेने में तकलीफ महसूस कर रहा है। अभिजीथ ने बताया, 'मैंने उसकी नब्ज देखी, लेकिन कुछ महसूस नहीं हुआ। मुझे समझ आया कि उसे कार्डियक अरेस्ट हुआ है।' उन्होंने तुरंत सीपीआर देना शुरू किया और फ्लाइट क्रू को भी सूचना दी। दोनों ने मिलकर दो बार सीपीआर किया, जिसके बाद यात्री की सांसें लौट आईं और उसकी नब्ज दोबारा चलने लगी।

विमान में मौजूद डॉक्टर ने भी की दोनों की मदद: इस दौरान विमान में मौजूद डॉक्टर डॉ. आरिफ अब्दुल खदिर ने भी उनकी मदद की। उन्होंने मरीज को ड्रिप लगाई और पूरी उड़ान के दौरान उसके ब्लड प्रेशर और अन्य पैरामीटर पर नजर रखी। अभिजीथ ने बाद में कहा, 'जब वह फिर से हिला, तो मुझे बहुत राहत मिली। उस पल ने मुझे याद दिलाया कि हम जहां भी जाएं, अपनी जिम्मेदारी अपने साथ लेकर चलते हैं।'

विमान की लैंडिंग के चुपचाप अपने मंजिल के लिए हुए रवाना: दिलचस्प बात यह है कि दोनों नर्सें बिना किसी दिखावे या चर्चा के चुपचाप अपनी मंजिल पर पहुंचीं और नए कार्यस्थल की ओर बढ़ गईं। लेकिन विमान में मौजूद एक अन्य यात्री ने यह कहानी साझा की, तब जाकर यह बात सामने आई।

मरीज के परिवार ने नर्सों को कहा धन्यवाद: वहीं एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद मरीज को मेडिकल टीम ने इलाज दिया और अब वह पूरी तरह स्थिर है।

उसके परिवार ने दोनों नर्सों के प्रति गहरी कृतज्ञता जताई। परिवार ने कहा, 'वे हमारे लिए अजनबी थे, फिर भी उन्होंने हमारे अपने की जान बचाई। उनका साहस और दया हमेशा हमारी दुआओं में रहेगा।'

'नियम बदलो और शटडाउन को खत्म करो...'

राष्ट्रपति ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी के सीनेट सदस्यों से आग्रह

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन सीनेटरों से आग्रह किया कि वे कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाकर सरकार का शटडाउन तुरंत खत्म करें। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर डेमोक्रेट्स सत्ता में आए तो वे इसी नियम को बदल देंगे और अपने एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे। शटडाउन एक महीने से अधिक समय से जारी है, जिससे सरकारी कामकाज और सार्वजनिक सेवाओं पर असर पड़ रहा है और दोनों पार्टियों के बीच फिलिबस्टर नियम को लेकर विवाद बढ़ गया है।

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को रिपब्लिकन पार्टी के सीनेट सदस्यों से 'परमाणु विकल्प' अपनाने और फिलिबस्टर नियम को समाप्त करने का आग्रह किया। उनका कहना है कि अगर ऐसा किया जाए तो वे सरकार का जारी शटडाउन खत्म कर सकते हैं और साधारण बहुमत से कानून पारित कर सकते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अब वक्त है कि रिपब्लिकन अपना 'ट्रंप कार्ड' खेलें- परमाणु विकल्प अपनाएं, फिलिबस्टर को खत्म करें और अभी करें!

ट्रंप का यह बयान एशिया दौरा पूरा करने के बाद आया, जहां उन्होंने कहा कि उनसे पूछा गया था कि 'डेमोक्रेट्स ने सरकार को कैसे शटडाउन कर दिया और ताकतवर रिपब्लिकन ने ऐसा होने क्यों दिया? ट्रंप ने आगे दावा किया कि अगर डेमोक्रेट्स को मौका मिलता, तो वे अपने कानून बनाने के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए फिलिबस्टर को खत्म करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाते, जैसे कि प्यूर्टो रिको और वॉशिंगटन डीसी को राज्य का दर्जा देने के मुद्दों पर।

उन्होंने लिखा, अब हम सत्ता में हैं, और अगर हम वही करें जो हमें करना चाहिए, तो यह बेकार और देश को नुकसान पहुंचाने वाला 'शटडाउन' तुरंत खत्म हो जाएगा। अगर भविष्य में डेमोक्रेट्स फिर से सत्ता में आए, तो वे पहले ही दिन फिलिबस्टर खत्म कर देंगे, चाहे हम करें या न करें।

सरकारी शटडाउन को अब एक महीने से अधिक समय हो गया है, जिससे सरकारी कामकाज और सार्वजनिक सेवाओं पर असर पड़ रहा है। ऐसे में दोनों पार्टियों के बीच फिलिबस्टर नियम को लेकर बहस तेज हो गई है। इस नियम के कारण अल्पसंख्यक पार्टी (जो सत्ता में नहीं है) किसी भी विधेयक को रोकने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। हालांकि जजों और सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति के लिए यह सीमा पहले घटाई जा चुकी है, लेकिन सामान्य कानूनों के लिए अब भी 60 वोट जरूरी हैं।

वर्तमान में सीनेट में रिपब्लिकन के पास 53 सीटें हैं, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उनके पास फिलिबस्टर पूरी तरह खत्म करने के लिए पर्याप्त समर्थन है। कुछ रिपब्लिकन सांसद नियम में बदलाव पर विचार कर रहे हैं।

कई रिपब्लिकन नेताओं ने सुझाव दिया है कि शटडाउन खत्म करने के लिए 60 वोटों के नियम से अस्थायी छूट दी जा सकती है। दूसरी ओर, डेमोक्रेट्स इस पर अड़े हुए हैं कि जब तक मौजूदा फंडिंग में अफॉर्डेबल केयर एक्ट (एसीए) की सब्सिडी बढ़ाने का प्रावधान शामिल नहीं किया जाता, तब तक किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देंगे। दोनों पार्टियों के सांसदों ने चेतावनी दी है कि अगर शटडाउन जल्द खत्म नहीं हुआ, तो एक नवंबर से एसएनएपी (खाद्य सहायता) जैसी योजनाओं पर असर पड़ सकता है और हवाई अड्डों पर उड़ानों में देरी बढ़ सकती है।

फिलिबस्टर नियम क्या है?

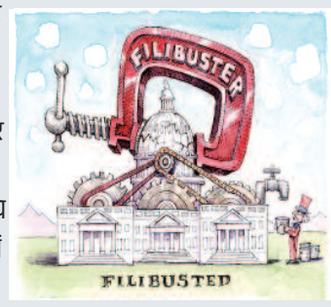

फिलिबस्टर अमेरिकी सीनेट का एक नियम है, जिसके तहत किसी भी कानून को पारित करने के लिए आमतौर पर 60 वोटों की जरूरत होती है। यह नियम लंबे समय से वॉशिंगटन की राजनीति में विवाद का मुद्दा रहा है। ट्रंप ने कहा कि पहले डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनेटर इस नियम में बदलाव की मांग कर चुके हैं, ताकि मतदान का अधिकार और गर्भपात के अधिकार सुरक्षित रखे जा सकें। लेकिन उन्हें अपनी पार्टी में पूरा समर्थन नहीं मिला। नियम में बदलाव की मांग करने वालों में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन के सहयोगी भी शामिल थे।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने उठाया जलवायु वित्त और तकनीक स्थानांतरण का मुद्दा

वॉशिंगटन। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस की रिपोर्ट पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त दिए जाने की भी मांग दोहराई। भाजपा सांसद ने कहा कि 'भारत ने जलवायु परिवर्तन पर सलाहकार कार्यवाही में हिस्सा लिया है, जिसमें सामान्य लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं के सिद्धांत की अहमियत पर जोर दिया गया है।

भारत ने आईसीजे को समर्थन देने की बात दोहराई

भाजपा सांसद ने कहा कि 'महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि मौजूदा 'यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज' और इसके पेरिस समझौता के तहत विकसित देशों को सबसे पहले जलवायु वित्त और तकनीक स्थानांतरण की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पक्ष रख रहे भाजपा सांसद सौमित्र खान ने अपने बयान में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को अपने समर्थन की पुष्टि की और कहा कि देश आगे भी आईसीजे को अपना समर्थन देना जारी रखेगा और साथ ही अपनी जिम्मेदारी भी निभाएगा। उन्होंने कहा कि, 'एक-दूसरे पर निर्भर दुनिया की जटिल चुनौतियों से निपटने में आईसीजे की भूमिका अहम है। आज की दुनिया में आर्थिक, सामाजिक और विकास संबंधी चिंताएं बहुत जरूरी हैं।

महिला को गलती से द्वीप पर अकेला छोड़ गया क्रूज शिप वापस लेने पहुंचा तब तक महिला की हुई मौत

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ट्रंप की ओर से परमाणु हथियारों के परीक्षण फिर शुरू करने के बारे में कहा, अमेरिकी परमाणु शस्त्रागार का परीक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। वेंस ने व्हाइट हाउस के बाहर संवाददाताओं से कहा, यह सुनिश्चित करना अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है कि हमारे पास मौजूद परमाणु शस्त्रागार ठीक से काम करे। हम जानते हैं कि यह ठीक से काम करता है, लेकिन फिर भी समय के साथ इस पर नजर रखनी होती है और राष्ट्रपति बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम ऐसा करें। सुजैन रीस (80 वर्षीय) नामक महिला क्रूज शिप पर घूमने निकली थी और अपने दौरे के दूसरे दिन क्रूज के

पर्यटक लिजार्ड द्वीप पर घूमने उतरे। इसी दौरान क्रूज शिप ने गलती से सुजैन रीस को द्वीप पर ही छोड़ दिया और बाकी पर्यटकों के साथ वहां से निकल गया। करीब पांच घंटे बाद जब क्रूज के क्रू को इसकी जानकारी हुई तो वे रीस को लेने वापस द्वीप पहुंचे, लेकिन सुजैन वहां मृत पाई गईं।

कनाडा की कोर्ट ने भारतीय मूल के व्यक्ति को 25 साल की जेल की सजा सुनाई

नई दिल्ली। कनाडा की एक कोर्ट ने 2022 के एक हत्या मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल जेल की सजा सुनाई है। सिटी न्यूज ने बताया कि ब्रिटिश कोलंबिया के सुप्रीम कोर्ट में जूरी ने मंगलवार को बलराज बसरा को फर्स्ट-डिग्री मर्डर और आगजनी का दोषी पाया। इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम का कहना है कि बसरा 17 अक्टूबर, 2022 को ब्रिटिश कोलंबिया यूनिवर्सिटी की जमीन पर एक गोल्फ क्लब में विशाल वालिया की गोली मारकर हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया तीसरा व्यक्ति है।

न्यूज डायरी

किंग चार्ल्स ने छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी उपाधियां छीनीं, रॉयल लॉज खाली करने का आदेश

नई दिल्ली। ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स ने अपने छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी शाही उपाधियां और सम्मान वापस ले लिए हैं। साथ ही उन्हें उनके आलीशान आवास 'रॉयल लॉज' खाली करने का निर्देश दिया गया है। यह कार्रवाई एंड्रयू के यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से विवादित संबंधों के कारण की गई है। बकिंघम पैलेस ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में बताया कि एंड्रयू को ह्यरॉयल लॉजह्न खाली करने के लिए औपचारिक नोटिस सौंपा गया है। अब उन्हें निजी वैकल्पिक आवास में शिफ्ट किया जाएगा। बता दें कि एप्स्टीन मामले के उजागर होने के बाद से ही प्रिंस एंड्रयू शाही जिम्मेदारियों से दूर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किंग चार्ल्स का यह कदम राजपरिवार की छवि को सुरक्षित रखने की दिशा में एक सख्त संदेश है।

यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड पर रूस का हमला, पूरे देश में बिजली गुल

नई दिल्ली। रूस ने रातोंरात यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड (ढांचे) पर ड्रोन और मिसाइलों की बौछार कर दी। इससे देश भर में बिजली आपूर्ति बाधित हुई और सात साल की एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 घायल हो गए। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने आरोप लगाया कि कड़ाके की ठंड के मौसम में वह यूक्रेनी लोगों और बिजली आपूर्ति को निशाना बना रहा है। वह बोले, इसका लक्ष्य यूक्रेन को अंधकार में धकेलना है और हमारा लक्ष्य प्रकाश को बचाना है।

नेपाल : अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटक बचाए गए

नई दिल्ली। भारी बर्फबारी के कारण नेपाल के अन्नपूर्णा बेस कैंप में फंसे 17 भारतीय पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। ये सभी पर्यटक पिछले सोमवार रात से हुई लगातार बारिश और बर्फबारी के कारण ट्रेकिंग रूट बंद होने से फंस गए थे। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और नेपाल पुलिस के जवानों की एक बचाव टीम ने स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से 4,190 मीटर की ऊंचाई से इन सभी लोगों को सुरक्षित नीचे अन्नपूर्णा ग्रामीण नगरपालिका तक पहुंचाया। अब ये सभी स्थानीय लॉज में ठहरे हुए हैं और सभी स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इनके स्वास्थ्य की जांच की गई है। हालांकि, खराब मौसम के कारण अभी उनका घर लौटना संभव नहीं है।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक समझौता, दोनों देशों में 10 साल के रक्षा सहयोग ढांचे पर बनी सहमति

वॉशिंगटन। राजनाथ ने इससे पहले अगस्त में वाशिंगटन में हेगसेथ से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50% कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंध दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जिसके बाद राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी गई थी।

भारत और अमेरिका के बीच एक 10 वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों के रिश्तों के लिए इसे अहम समझौता बताया जा रहा है। अमेरिका के युद्ध मंत्री ने समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि दोनों देशों के रक्षा संबंध इतने मजबूत कभी नहीं रहे। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनकी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात हुई और एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ समझौता क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सूचनाएं साझा करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने में हम अपने समन्वय को बेहतर कर रहे हैं।

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समझौते को लेकर कहा कि मुझे लगता है कि आज रक्ष ढांचा समझौते पर हस्ताक्षर के बाद एक नए अध्याय की शुरूआत होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये समझौता भारत और अमेरिका के बीच की रक्षा साझेदारी की नीतियों को तय करने में मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि 'हमारे द्विपक्षीय संबंधों में रक्षा क्षेत्र एक अहम स्तंभ है। एक मुक्त, नियम आधारित हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के लिए हमारी साझेदारी बेहद अहम है। यह समझौता दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सहयोग के मजबूत होने का संकेत है।'

टैरिफ के कारण रद्द हुई थी पिछली मुलाकात

राजनाथ ने इससे पहले अगस्त में वाशिंगटन में हेगसेथ से मिलने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर टैरिफ दोगुना करके 50% कर दिया और दोनों देशों के बीच संबंध दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए, जिसके बाद राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा रद्द कर दी गई थी। अब आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए राजनाथ सिंह कुआलालंपुर गए, जहां उनके और अमेरिकी रक्षा मंत्री के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

संबंध सुधार की कवायद

पिछले हफ्ते अमेरिका ने रूस की दो शीर्ष कच्चे तेल निर्यातक कंपनियों पर प्रतिबंधों के एलान किया। जिसके बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल आयात में कटौती की है, जिसके बाद दोनों देश अब संबंधों के पुनर्निर्माण की संभावना देख रहे हैं। पिछले दिनों दक्षिण कोरिया दौरे के दौरान ट्रंप ने भी कहा कि वह भारत के साथ एक व्यापार समझौता करना चाहते हैं।

धूमधाम से मनाया गया पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल का जन्मदिन

गाजियाबाद करंट क्राइम। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ अनिल अग्रवाल का जन्मदिन उनके समर्थकों, पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोगों ने धूमधाम से मनाया। भाजपा के जनप्रतिनिधि, संगठन नेता, मीडिया के गणमान्य लोग और पार्टी कार्यकर्ता डॉ अनिल अग्रवाल के आवास पर पहुंचे। सभी ने डॉ अनिल अग्रवाल को उनके जन्मदिन पर लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी जीवन की कामना के साथ जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ अनिल अग्रवाल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएं और बधाई देने आये सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

जीत के पल: जीत का चौका लगते ही मैदान पर दौड़े टीम के सदस्य

जेमिमा को गले लगाकर भावुक हुईं खिलाड़ी

नवी मुंबई। भारतीय टीम ने महिला वनडे इतिहास का सबसे सफल रन चेज करते हुए विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारत ने जेमिमा रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर के बीच हुई शतकीय साझेदारी के दम पर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से मात दी। भारत के लिए अमनजोत कौर ने जैसे ही जीत का चौका लगाया, मैदान पर भारतीय महिला टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। वहीं, जेमिमा और अमनजोत ने एक दूसरे गले लगा लिया।

भारत ने रोका गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ

भारतीय महिला टीम ने गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराकर उसका विजय रथ रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर 338 रन बनाए थे। जवाब में भारत के लिए जेमिमा ने शतक लगाया और कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ने 48.3 ओवर में पांच विकेट पर 341 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई थी, लेकिन भारतीय टीम ने एलीस हीली की टीम का विजयी अभियान रोक दिया। भारत का अब रविवार को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से सामना होगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया था।

आंसू नहीं रोक सकीं जेमिमा

जेमिमा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत को जीत दिलाने के बाद भावुक हो गईं और अपने आंसू नहीं रोक सकीं। जेमिमा सेमीफाइनल में शतक लगाकर नाबाद लौटीं और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जेमिमा 134 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 127 रन बनाकर नाबाद रहीं। जेमिमा और हरमनप्रीत के बीच तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी हुई।

खूशी से झूम उठे खिलाड़ी

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ऐसी शिकस्त दी है जो ये टीम लंबे समय तक याद रखेगी। भारतीय महिला टीम के सदस्यों को भी इस बात का अंदाजा है कि उन्होंने कितनी बड़ी जीत दर्ज की है। जैसे ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। सभी एक दूसरे को गले लगाने लगे। इस दौरान कई खिलाड़ियों की आंखों से आंसू छलक उठे। भारत अभी विश्व कप खिताब से एक कदम दूर है, लेकिन सेमीफाइनल में मिली इस अभूतपूर्व जीत से ही टीम के खिलाड़ी अपनी भावनाओं को काबू नहीं रख सके।

भारत के लिए अमनजोत कौर ने जैसे ही जीत का चौका लगाया, मैदान पर भारतीय महिला टीम के सदस्य खुशी से झूम उठे। वहीं, जेमिमा और अमनजोत ने एक दूसरे गले लगा लिया।

मंधाना और हरमनप्रीत भी हुईं भावुक

भारतीय महिला टीम की दो दिग्गज खिलाड़ी हरमनप्रीत और स्मृति मंधाना भी जीत के बाद भावुक हो गईं। इन दो खिलाड़ियों के लिए यह जीत काफी मायने रखती है और सेमीफाइनल में जीत के बाद दोनों जिस तरह से एक दूसरे से मिलीं, उससे ये साबित भी हुआ।

ड्रेसिंग रूम में मना जश्न

भारत की जीत के बाद ड्रेसिंग रूम में भी जमकर जीत का जश्न मना। जेमिमा जैसे ही ड्रेसिंग रूम में पहुंचीं तो साथी खिलाड़ियों ने उनके लिए जोर से चियर किया। सभी खिलाड़ियों ने जेमिमा को गले लगाया और ऐतिहासिक पारी के लिए उन्हें बधाई भी दी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें महिला टीम के सदस्य फाइनल में पहुंचने का जश्न मना रहे हैं। इस दौरान खिलाड़ियों ने एक दूसरे के साथ सेल्फी भी खिंचवाई।

कौन हैं जेमिमा रॉड्रिग्स ?

'बेबी' से भारतीय मध्यक्रम की रीढ़ बनने तक का भावनात्मक सफर

मुंबई। आज जेमिमा रॉड्रिग्स भारतीय महिला क्रिकेट की आत्मा हैं। उन्हें न किसी गेंदबाज का डर है, न कोई घबराहट। कभी सबकी 'बेबी' कही जाने वाली जेमिमा अब उस मिडल ऑर्डर की रीढ़ हैं, जिसके भरोसे भारत ने विश्व क्रिकेट की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है।

महिला वनडे विश्व कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम के लिए एक ऐसी पारी खेली गई जिसने न सिर्फ मैच बल्कि हर भारतीय के दिल को छू लिया। इस पारी की नायिका रहीं जेमिमा रॉड्रिग्स। 25 साल की इस मुंबई की बल्लेबाज ने गुरुवार के दिन सिर्फ रन नहीं बनाए, बल्कि एक पूरी यात्रा तय की। कभी टीम में 'बेबी' के नाम से पुकारी जाने वाली जेमिमा आज भारतीय महिला टीम में मध्यक्रम की रीढ़ बनकर खड़ी हैं।

शुरूआत: उम्मीदों से भरा एक चेहरा

पांच सितंबर 2000 को मुंबई में जन्मीं जेमिमा ने फरवरी 2018 में महज 17 साल की उम्र में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। शुरूआती दिनों में उनसे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन सफर आसान नहीं रहा। उन्हें टीम से बाहर भी किया गया, आलोचना भी झेलनी पड़ी। मगर जेमिमा ने कभी हार नहीं मानी। वह खुद कहती हैं कि वह टीम में सबसे छोटी थीं, सब उन्हें प्यार से 'बेबी' कहते थे।' लेकिन अब जेमिमा बेबी नहीं रहीं। उनके चेहरे की मुस्कान जितनी मासूम थी, उतनी ही मजबूत थी उनकी सोच। यही वजह है कि जब उन्हें मौके मिले, उन्होंने हर बार खुद को साबित किया।

उन्हें बीच में ड्रॉप भी किया गया। फिर 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपने बल्ले से चमक बिखेरी थी। हालांकि, 2023 महिला टी20 विश्व कप के बाद टीम से उन्हें बाहर कर दिया गया था।

2024 में एकबार फिर जेमिमा ने वापसी की और अब वह इस टीम का अहम हिस्सा हैं। जेमिमा क्रिकेट में अपने विकास का श्रेय इंग्लैंड में अब बंद हो चुकी किआ सुपर लीग (केएसएल) को देती हैं। यह किसी विदेशी टी20 लीग में उनकी पहली उपस्थिति थी। उस टूर्नामेंट में उनके आंकड़े असाधारण थे।

तब जेमिमा ने 57.28 की औसत और 149.62 के स्ट्राइक रेट से 401 रन बनाए थे। इसमें 58 गेंदों पर नाबाद 112 रन शामिल हैं।

कभी रील्स बनाने पर होती थीं ट्रोल, अब सेमीफाइनल में मैच जिताऊ पारी से आलोचकों को दिया जवाब

नवी मुंबई । 'रन बनाना, वो क्या होता है। मेरा क्रिंज रील्स देख और गाना सुन...', कुछ इस तरह सोशल मीडिया पर भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिग्स को ट्रोल किया जाता था। इसी जेमिमा की शानदार नाबाद शतकीय पारी की मदद से भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

हरमनप्रीत के साथ निभाई साझेदारी

जेमिमा ने शतक लगाया और कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की। उनकी इस शतकीय पारी से ही भारतीय टीम तीसरी बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इससे पहले 2005 और 2017 में भी खिताबी मैच में पहुंची थी। भारत ने अब तक कभी विश्व कप की ट्रॉफी नहीं जीती है और अब उसके पास खिताबी सूखा समाप्त करने का अच्छा मौका है। हरमनप्रीत और जेमिमा के बीच महिला विश्व कप के नॉकआउट मैच में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी हुई।

सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने के कारण होती थीं ट्रोल दरअसल, जब भी जेमिमा रन बनाने में असफल रहती थीं तो सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स उन्हें यह कहते हुए ट्रोल करते थे कि जेमिमा का ध्यान अपनी बल्लेबाजी से ज्यादा सोशल मीडिया पर रहता है। लेकिन अब जेमिमा का बल्ला ऐसे दिन गरजा जब टीम को उनसे काफी उम्मीद थी। इसमें कोई दोराय नहीं है कि जेमिमा अपनी शतकीय पारी से आलोचकों को जवाब दिया है। एक ऐसे समाज में जहां महिला सशक्तिकरण पर अक्सर चर्चा होती है, लेकिन उसे सरलता से प्रस्तुत नहीं किया जाता, अपेक्षाएं आज भी भारी हैं।

भारत के 90वें ग्रैंडमास्टर बने इलमपार्थी

एआईसीएफ अध्यक्ष नारंग ने दी बधाई, आनंद ने भी सराहा

नई दिल्ली। इलमपार्थी ने रिल्टन कप (2024-25) के दौरान 2500 ईएलो रेटिंग का आंकड़ा पार किया और बोस्निया में अंतिम नॉर्म ने उनके ग्रैंडमास्टर खिताब को पक्का कर दिया।

युवा शतरंज खिलाड़ी इलमपार्थी ए आर बोस्निया और हजेगोविना में जीएम4 बिजेलजीना 2025 शतरंज महोत्सव में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने के बाद भारत के 90वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। चेन्नई के 16 वर्षीय खिलाड़ी इलमपार्थी ने दिसंबर 2023 में वियतनाम में हनोई टूर्नामेंट में अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म और इसके बाद 2024 में सिंगापुर इंटरनेशनल ओपन में उन्होंने दूसरा नॉर्म हासिल किया।

इलमपार्थी ने रिल्टन कप (2024-25) के दौरान 2500 ईएलो रेटिंग का आंकड़ा पार किया और बोस्निया में अंतिम नॉर्म ने उनके ग्रैंडमास्टर खिताब को पक्का कर दिया। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने एक्स पर लिखा, भारत के लिए 90वां ग्रैंडमास्टर। देश के 90वें ग्रैंडमास्टर बनने के लिए सभी जरूरी योग्यता पूरी करने पर इलमपार्थी ए आर को बधाई। आपको और भी कई उपलब्धियां और देश को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने एक्स पर लिखा, इलमपार्थी को ग्रैंडमास्टर के रूप में घोषित करते हुए खुशी हो रही है। वह कुछ मौकों पर खिताब से चूक गए थे, लेकिन हर बार उन्होंने वापसी की और कड़ी मेहनत की।

दक्षिण अफ्रीका ए ने हासिल की तीन सफलता म्हात्रे ने खेली अर्धशतकीय पारी; पंत की वापसी

बंगलूरू। दक्षिण अफ्रीका ए ने भारत ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन वापसी की है। आयुष म्हात्रे और साई सुदर्शन ने भारत ए को अच्छी शुरूआत दिलाई थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ए ने भारत ए को तीन झटके दे दिए हैं। फिलहाल क्रीज पर रजत पाटीदार के साथ ऋषभ पंत मौजूद हैं। पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्होंने इस मैच से वापसी की है। भारत ए ने फिलहाल पहली पारी में तीन विकेट पर 148 रन बनाए हैं।

आयुष म्हात्रे ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया है। आयुष ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। म्हात्रे और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी हुई। म्हात्रे 65 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल भी छह रन बनाकर पवेलियन लौट गए। साई सुदर्शन भी 32 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ए ने भारत ए के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन पहली पारी में नौ विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया। लेकिन टीम की पारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी और गुरनूर बरार ने ओखुले केले को आउट कर टीम को ऑलआउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ए के लिए जॉर्डन हर्नमैन, जुबैर हम्जा और रुबीन हर्नमैन ने अर्धशतक लगाए। जॉर्डन ने 71 रन बनाए, जबकि हम्जा ने 66 और रुबीन ने 54 रन बनाए। इसके अलावा तियान वान वुरेन ने 46 रनों का योगदान दिया। शेपो मोरेकी आठ रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए तुनष कोटियान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि मानव सुथार और गुरनुर बरार को दो-दो विकेट मिले। खलील अहमद और अंशुल कंबोज को एक-एक सफलता मिली।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की ए टीमों के बीच पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल जारी है

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 मैच में भारत को चार विकेट से हराया, हैट्रिक से चूके बुमराह

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टी20 में भारत को चार विकेट से हरा दिया है। जीत के लिए मिले 126 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 13.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कंगारुओं ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब तीसरा टी20 दो नवंबर को खेला जाएगा।

भारत की पारी

भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी। वहीं, हर्षित राणा ने 35 रन बनाए थे। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ नहीं छू सका। बाकी के नौ खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ी तो खाता भी नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने तीन विकेट लिए। वहीं, जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस को दो-दो विकेट मिले। स्टोइनिस ने एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने तूफानी शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। इस साझेदारी को वरुण चक्रवर्ती ने तोड़ा। उन्होंने हेड को आउट किया। हेड ने 15 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन की पारी खेली। वहीं, मार्श अर्धशतक से चूक गए। वह 26 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। जोश इंग्लिस ने 20 रन बनाए। वहीं, टिम डेविड एक रन बना सके।

बुमराह हैट्रिक से चूके

इसके बाद बुमराह का जलवा देखने को मिला। ऑस्ट्रेलियाई पारी के 13वें ओवर में बुमराह हैट्रिक से चूक गए। उन्होंने ओवर की चौथी गेंद पर मिचेल ओवेन को विकेटकीपर सैमसन के हाथों कैच कराया। वह 14 रन बना सके। इसके बाद पांचवीं गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट को बेहतरीन यॉर्कर पर क्लीन बोल्ड किया। शॉर्ट खाता नहीं खोल सके। हालांकि, स्टोइनिस ने नाबाद छह रन की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। भारत की ओर से बुमराह के अलावा वरुण और कुलदीप ने दो-दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका

ऑस्ट्रेलिया को 112 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। कुलदीप यादव ने जोश इंग्लिस को आउट किया। वह 20 रन बना सके। कुलदीप और वरुण ने अब तक दो-दो विकेट झटके हैं। जीत के लिए कंगारुओं को 14 रन की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका

ऑस्ट्रेलिया को 90 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। वरुण चक्रवर्ती ने टिम डेविड का कैच अपनी ही गेंद पर लपका। वह एक रन बना सके। फिलहाल मिचेल ओवेन और जोश इंग्लिस क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन है। टीम को जीत के लिए अब भी 66 गेंद पर 34 रन की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका

ऑस्ट्रेलिया को 87 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा। कुलदीप यादव ने कप्तान मिचेल मार्श को अभिषेक के हाथों कैच कराया। मार्श ने 26 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 46 रन की पारी खेली। अब ऑस्ट्रेलिया को 72 गेंद में 39 रन की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका

वरुण चक्रवर्ती ने ट्रेविस हेड को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया है। हेड और मार्श के बीच अच्छी साझेदारी हो रही थी, लेकिन तिलक वर्मा ने बाउंड्री पर शानदार कैच पकड़कर हेड की पारी का अंत किया। हेड 15 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुईं।

ऑस्ट्रेलिया के 50 रन पूरे

भारत के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। हेड और मार्श के बीच अर्धशतकीय साझेदारी पूरी हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया की पारी शुरू

भारत के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी शुरू हो गई है। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श पारी का आगाज करने उतरे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने दो ओवर की समाप्ति तक बिना किसी नुकसान के 11 रन बना लिए हैं।

भारत की पारी समाप्त

भारत ने दूसरे टी20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 126 रनों का लक्ष्य दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और भारत की पूरी पारी 18.4 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट कर दी। भारत की शुरूआत बेहद खराब रही थी और टीम ने 50 रन से भी कम के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

हालांकि, अभिषेक शर्मा और हर्षित राणा ने अर्धशतकीय साझेदारी कर टीम को संभाला जिससे भारत 120 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा।

किरण जॉर्ज ने किया उलटफेर, 15वें नंबर के खिलाड़ी पोपोव को हराया, लक्ष्य-रक्षित क्वार्टर फाइनल में

दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया

नई दिल्ली। भारत के किरण जॉर्ज ने शानदार प्रदर्शन किया और उलटफेर करते हुए दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंट टूर्नामेंट में हराया। किरण ने इसके साथ ही पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी किरण ने 69 मिनट चले मुकाबले में आठवें वरीय पोपोव को 18-21, 21-18, 21-19 से हराया। प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग करने वाले 25 साल के किरण जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। ओडिशा ओपन 2022 और इंडोनेशिया मास्टर्स 2023 के रूप में दो सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले किरण अगले दौर में दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और चीनी ताइपे के ची यू जेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

इससे पहले लक्ष्य सेन और रक्षिता रमेश ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्रमशः पुरुष और महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने हमवतन एस सुक्रमण्यन को 21-14, 21-11 से हराया, जबकि रक्षिता ने एक अन्य ऑल इंडियन मुकाबले में श्रीयांशी वलिशेट्टी को 58 मिनट में 19-21, 21-8, 21-13 से शिकस्त दी। लक्ष्य अगले दौर में फ्रांस के चौथे वरीय एलेक्स लेनियर से भिड़ेंगे जबकि रक्षिता को डेनमार्क की छठी वरीय लाइन क्रिस्टोफरसन का सामना करना है।

पुरुष एकल के एक अन्य प्री क्वार्टर फाइनल में आयुष शेट्टी का सामना छठे वरीय और पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन येव से होगा।